संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 151
पृष्ठ 8
मंगलवार
18 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों का रुम साफ करना लगता...

विचार- मोदी की फ्रांस-अमरीकी यात्रा...

खेल- बाबर से ओपनिंग कराने के फैसले से...

सीएम योगी ने यूपी विधानसभा के मुख्य द्वार का किया उद्घाटन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानभवन के मुख्य द्वार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधानसभा परिसर में विभिन्न भित्तिचित्रों का अनावरण भी किया गया। विधानसभा को हाईटेक और अधिक कलात्मक बनाने के क्रम में इस कार्य को पूरा किया गया है। नव निर्मित भित्तिचित्रों में भारत की ऐतिहासिक घटनाओं और राजनीतिक व्यवस्था को उकेरा गया है। इनमें गीता के विभिन्न प्रसंग भी दर्शाए गए हैं,

भित्तिचित्रों का किया अनावरण

जिससे विधानसभा भवन अब और भी अधिक भव्य और आकर्षक दिखने लगा है। पहले लकड़ी का गेट हुआ करता था, जिसे अब अत्याधुनिक और नक्काशीदार स्टील के मजबूत गेट से बदल दिया गया है। हाईटेक और कलात्मक रूप से सुदृढ़ हो रही विधानसभा विधानसभा के सौंदर्यीकरण और आधुनिकीकरण के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। विधानसभा को तकनीकी रूप से उन्नत करने के साथ–साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडेय और कांग्रेस नेता अराधना मिश्रा 'मोना' उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद सर्वदलीय बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के प्रमुख नेता शामिल हुए।

आजमगढ़ में सड़क हादसा, तीन मरे चार घायल

आजमगढ़ 17 फरवरी (वार्ता) उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के रानी की सराय थाना क्षेत्र में महाकुंभ से वापस आ रहे नेपाल देश के श्रद्धालुओं की एक कार सोमवार सुबह डिवाइडर में टकरा गई। इस हादसे में पति–पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सभी हताहत नेपाल देश के रूपम देही जिले के देवदार नगर पालिका के निवासी हैं। यह सभी 15 फरवरी को नेपाल से प्रयागराज में स्नान करने गए थे और स्नान करके आज वापस हो रहे थे कि आजमगढ़– वाराणसी राजमार्ग पर यह हादसा हो गया। मृतकों की पहचान दीपा (35),इनके पति गनेश (45) और गंगा (40) के तौर पर की गयी है। घायलों में ऋतिक दूबे (21) ,कोपिला देवकला देवी (35), अविशंकर (25) और शुभम पोखराल (22) को गोरखपुर मेडिकल कालेज भेजा गया है।

दिल्ली–एनसीआर में भूकंप के तेज झटके, मोदी ने दिल्लीवासियों को "शांत" रहने का किया आग्रह

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली–एनसीआर में सोमवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप के तीव्रता चार मापी गयी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र (एनसीएस) के अनुसार दिल्ली–एनसीआर में आज सुबह पांच बजकर 37 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किये। भूकंप की तीव्रता चार मापी गयी और भूकंप का केन्द्र राष्ट्रीय राजधानी में जमीनी सतह से पांच किलोमीटर नीचे स्थित था। दिल्ली के अलावा फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, गाजियाबाद, नोएडा और उसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के तेज झटकों के कारण घरों के छत के पंखे तेजी से हिलने लगे और घरों में रखे बर्तन खड़कने लगे। भय के मारे लोग अपने घरों से बाहर निकल आये। एनसीएस के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.0 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र 28.59 डिग्री उत्तर अक्षांश और 77.16 डिग्री पूर्वी देशांतर, जमीनी सतह से पांच किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कई साल के बाद भूकंप का केंद्र दिल्ली रहा। इसकी वजह से यहां लोगों को झटके काफी देर तक महसूस हुए। दिल्ली पुलिस ने किसी तरह की परेशानी होने पर लोगों से आपातकालीन सेवा 112 पर डायल करने की सलाह दी है। अभी तक किसी तरह के जनहानि और नुकसान की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आयी है। इस बीच प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के निवासियों से "शांत" रहने का आग्रह किया और कहा कि अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "दिल्ली और आसपास के इलाकों में झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने, संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया जाता है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।" भूकंप के झटकों के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी कि भूकंप काफी डरावना था। महादेव सबको सुरक्षित रखें। भूकंप के कारण धौला कुआं में स्थित झील पार्क में 20 से 25 साल पुराना पेड़ गिर गया। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है गौरतलब है कि दिल्ली–एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र चतुर्थ श्रेणी में आता है। ये ऐसा इलाका होता है जहां भूकंप के तेज झटके आते रहते हैं। इससे पहले सात जनवरी को भी भारत, नेपाल और बंगलादेश में सुबह के समय भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

कांग्रेस ने फिर मांगा रेल मंत्री का इस्तीफा

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में भगदड़ में मारे गए लोगों के आंकड़े छुपाए जा रहे हैं और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जिम्मेदारी निभाने की बजाय आंकड़े छुपाने में व्यस्त हैं इसलिए उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुआ दर्दनाक हादसा रेल मंत्रालय और रेल मंत्री की लापरवाही का परिणाम है। रेल प्रशासन भगदड़ के लिए जिम्मेदार है और यह जिम्मेदारी लेते हुए रेल मंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। पार्टी ने इसके साथ ही कुछ पोस्टर भी पोस्ट किए हैं और कहा है कि रेल मंत्री ने रेलवे को बर्बाद कर दिया है। उन्हें अब पद पर रहने का अधिकार नहीं है। रेल मंत्री की लापरवाही के कारण भगदड़ में यात्रियों की जान जा रही है। उन्होंने देश की लाइफ लाइन कहीं जाने वाली रेलवे को बर्बाद कर दिया है।

भाजपा ने पित्रोदा के बयान पर कांग्रेस से सफाई मांगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के चीन को लेकर दिये गये बयान को निंदनीय एवं गलवान के शहीदों एवं भारतीय सेना के बलिदान का अपमान करार दिया है और कांग्रेस से इस बयान पर सफाई मांगते हुए देश के विरोधी ताकतों के साथ भारत में सामाजिक आर्थिक विघटन में लिप्त

होने का आरोप लगाया है। भाजपा के सांसद एवं प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने आज यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में यह आरोप लगाया। डॉ. त्रिवेदी ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ज्यों–ज्यों आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक दृष्टि से विश्व के पटल पर एक शक्तिशाली और प्रभावशाली देश के रूप में उभरता जा रहा है और देश के अंदर सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का नया दौर चल रहा है। त्यों–त्यों अनेक प्रतिगामी शक्तियां भारत की इस अभूतपूर्व प्रगति और विकास को रोकने के लिए अनेक षड्यंत्र कर रही हैं।" उन्होंने कहा कि जो कुछ कांग्रेस और उनके वैचारिक गुरू या थिंक टैंक कहे जाने वाले लोग समय–समय पर कहते आ रहे हैं, वो चीजे अब पूरी तरह से जनता के सामने आती जा रही हैं। ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने चीन को लेकर आज जिस प्रकार का बयान दिया है, उससे यह बात बहुत साफ हो गई है कि कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ हुए करार का इजहार वो दिनदहाड़े कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, "गंभीर बात ये है कि जिस प्रकार की बात सैम पित्रोदा ने कही है, वो भारत की अस्मिता, कूटनीति और भारत की संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है। उन्होंने कहा है कि चीन के साथ तो किसी प्रकार का विवाद ही नहीं है, यानी भारत ही आक्रामक मुद्रा लिए हुए है। सैम पित्रोदा को बयान को अलग से नहीं देखा जाना चाहिए। इसी प्रकार के कई बयान राहुल गांधी भी विदेश में दे चुके हैं। श्री गांधी ने चीन की अर्थव्यवस्था, बेरोज़गारी यहां तक कि प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति पर चीन की झूठी तारीफ में बयान दिये हैं। कुछ समय पहले उन्होंने अपने विदेश दौरे पर कहा कि चीन ने बेरोजगारी की समस्या को बहुत अच्छे से दूर किया है। गलवान में हमारे 20 सैनिक शहीद हो गए और उसके बाद आपके (कांग्रेस के) ओवरसीज के अध्यक्ष इस प्रकार की भाषा बोलते हैं, तो यह निंदनीय है।" उन्होंने कहा कि भारत सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विश्व के हर देश के साथ अच्छे और सौहार्दपूर्ण संबंध चाहती है।

स्टार्टअप को गांवों तक पहुंचना चाहिए: धनखड

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्टार्टअप से गांवों तक पहुंचने का आह्वान करते हुए कहा है कि इससे एक स्थायी समाज विकसित करने में मदद मिलेगी और निश्चित रूप से पोषण संबंधी खाद्य मूल्य में वृद्धि होगी। श्री धनखड़ ने सोमवार को पंजाब में मोहाली में राष्ट्रीय कृषि–खाद्य और जैव विनिर्माण संस्थान (एनएबीआई) में उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम (ए–ईएसडीपी) परिसर का उद्घाटन करते हुए कहा कि कृषि और डेयरी उत्पादों में मूल्य वर्धन करने वाले सूक्ष्म उद्योगों से ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं के पुनरुद्धार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "गांव या गांवों के समूह में एक ऐसी प्रणाली विकसित होनी चाहिए, जहां खेत में सूक्ष्म उद्योग हों, जो कृषि उपज में मूल्य वर्धन करें, जो उत्पादित पशुधन, उत्पादित दूध में मूल्य वर्धन करें।" उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से एक स्थायी समाज विकसित करने में मदद मिलेगी और निश्चित रूप से पोषण संबंधी खाद्य मूल्य में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि आइसक्रीम, पनीर, मिठाइयाँ और इसी तरह की अन्य चीजें

बनाने के लिए उद्यमशीलता कौशल रखने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार पैदा होगा और ग्रामीण युवा संतुष्ट होंगे। उप राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षता और उत्पादकता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी को खेती के तरीकों में एकीकृत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि द्वितीय और तृतीय शहरों में स्टार्टअप हैं। उन्हें अब गांवों तक पहुंचना होगा क्योंकि कृषि उपज अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है। उद्योग के लिए कच्चा माल है। ग्रामीण परिवेश में कृषि भूमि के करीब एक समूह विकसित होगा, तो अर्थव्यवस्था में उछाल आएगा। उन्होंने किसानों से प्रौद्योगिकी में प्रगति और इसके लाभों के बारे में जानकारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नयी तकनीक पर्यावरण के अनुकूल, ईंधन कुशल और अत्यधिक सब्सिडी वाली है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाना होगा। श्री धनखड़ ने कहा कि ग्रामीण व्यवस्था राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करती है। विकसित भारत का रास्ता इसके गांवों से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि कृषि उपज तब बेची जाती है जब यह किसानों का बाजार नहीं होता, यह खरीदारों का बाजार होता है। सरकार बड़े पैमाने पर भंडारण और सहकारी आंदोलन के माध्यम से भंडार को बनाए रखने की सुविधाएं देती है। सरकार की कृषि नीतियां किसानों की बहुत मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों का कृषि विज्ञान केंद्रों और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों के साथ सीधा संपर्क होना चाहिए।

भाजपा की अंदरूनी कलह के कारण दस दिन बाद भी दिल्ली को नहीं मिला मुख्यमंत्री : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) की वरिष्ठ नेता एवं कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला है और कहा कि

भाजपा की विपदा सरकार में अंदरूनी कलह के कारण दस दिन बाद भी दिल्ली को मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया है। सुश्री आतिशी ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज दिल्ली चुनाव के नतीजे आए दस दिन बीत गए हैं। गत 08 फरवरी को चुनाव के नतीजे आए जिसके बाद दिल्लीवालों को उम्मीद थी कि भाजपा अपने मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करेगी और 10 फरवरी तक शपथ ग्रहण समारोह होगा और उसके तुरंत बाद दिल्लीवालों का काम शुरू होगा। लेकिन दिल्ली की जनता इंतजार करती रह गई लेकिन आज 10 दिन बाद भी भाजपा मुख्यमंत्री पर निर्णय नहीं ले पाई है

अमित शाह ने डॉ. साहा को लंबित मामलों में सीबीआई जांच में तेजी लाने का दिया आश्वासन

अगरतला, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा को लंबित मामलों में सीबीआई जांच में तेजी लाने का आश्वासन दिया है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के दौरे पर आए डॉ साहा ने सोमवार को कहा कि श्री शाह के साथ उनकी मुलाकात में कुछ वर्षों में 40 से अधिक मामलों में लंबित सीबीआई जांच पर विस्तृत चर्चा हुई, जिससे पीड़ितों में भ्रम की

स्थिति पैदा हुई और प्रमुख जांच एजेंसी की छवि खराब हुई। मुख्यमंत्री ने श्री शाह से अनुरोध किया कि वे जांच एजेंसी से मामले की जांच तेज करने और मामलों को कानूनी या तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने को कहें। श्री साहा की ओर से विशेष रूप से उल्लेख किए गए प्रमुख मामलों में दो पत्रकारों में सुदीप दत्ता भौमिक और संतानु भौमिक की हत्याएं, बर्धमान फार्मा मामले, एनआईटी अगरतला के भ्रष्टाचार मामले, और गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले शामिल हैं। डॉ साहा ने कहा " सीबीआई की ओर जांच को लगभग रोक दिए जाने से न केवल परिवारों को न्याय पाने से वंचित होना पड़ा, बल्कि इससे उन्हें शनिराशश भी होना पड़ा।" केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उन्हें कुछ मामलों की अच्छी जानकारी है और वे अनुरोध के अनुसार मामले की जांच करेंगे और सीबीआई से जांच में तेजी लाने को कहेंगे।

दिल्ली चुनाव के परिणामों से पार्टी कार्यकर्ता निराश न होकर आंबेडकरवादी संघर्ष जारी रखें : मायावती

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि पार्टी कार्यकर्ता दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणामों से निराश न हों

और पूरे जोर–शोर से आंबेडकरवादी संघर्ष जारी रखें। बसपा प्रमुख ने कहा कि दिल्ली चुनाव भी दो पार्टियों के बीच ज्यादातर "राजनीतिक द्वेष व चुनावी छलावा" ही बनकर रह गया, जिसके चलते वहां के बहुजनों की स्थिति सुधरने वाली नहीं लगती है। मायावती ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की तथा दिल्ली व अन्य पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में आगे के लिए जरूरी दिशा–निर्देश दिए। एक बयान के मुताबिक, मायावती ने कहा, "हरियाणा की तरह, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी भाजपा और आम आदमी पार्टी की जबरदस्त राजनीतिक चालबाजी व जुमलेबाजी हावी रही और इस कारण बसपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सका।"

पांच देशों के राजनयिकों ने राष्ट्रपति को अपने परिचय पत्र सौंपे

नयी दिल्ली, एजेंसी। पांच देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय पत्र पेश किये। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया है कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में कंबोडिया, मालदीव, सोमालिया, क्यूबा और नेपाल के राजदूतों तथा उच्चायुक्तों ने अपने परिचय पत्र राष्ट्रपति को सौंपे।

परिचय पत्र प्रस्तुत करने वाले राजनयिकों में कंबोडिया की राजदूत रथ मैनी, मालदीव की उच्चायुक्त सुश्री ऐशथ अज़ीमा, सोमालिया के राजदूत डॉ. अब्दुल्लाही मोहम्मद ओडोवा, क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन एगुइलेरा और नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा शामिल हैं।

कांग्रेस ने सैम पित्रोदा के बयान से किया किनारा, जयराम रमेश बोले–

यह पार्टी के विचार नहीं हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्सर विवादों में रहने वाले भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा एक बार फिर से विवादित बयान दिया है। जिसे लेकर देश में राजनीति तेज हो गई है। वहीं भाजपा के हमले के बाद कांग्रेस पार्टी ने खुद को सैम पित्रोदा के बयान अलग कर लिया है। इस मामले में कांग्रेस नेता और महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि, सैम पित्रोदा का बयान पार्टी के विचार नहीं हैं। मामले में जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा– सैम पित्रोदा की तरफ से चीन पर व्यक्त किए गए विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं।

चीन के मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर उठाए सवाल

उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा– चीन हमारी सबसे बड़ी विदेश नीति, बाहरी सुरक्षा और

साथ ही आर्थिक चुनौती बना हुआ है। कांग्रेस ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार–बार सवाल उठाए हैं, जिसमें 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट देना भी शामिल है। चीन पर हमारा सबसे हालिया बयान 28 जनवरी, 2025 को था। यह भी बेहद खेदजनक है कि संसद को स्थिति पर चर्चा करने और इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त करने का अवसर नहीं दिया जा रहा है।

सैम पित्रोदा ने क्या दिया है बयान?

कांग्रेस के विदेश इकाई के प्रमुख सैम पित्रोदा ने चीन को लेकर कहा, चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है और भारत का दृष्टिकोण हमेशा टकरावपूर्ण रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि देशों को एक–दूसरे से सहयोग करना चाहिए, न कि टकराव।

संगम तट पर उमड़ा आस्था का अनंत विश्वास, थम नहीं रहा श्रद्धालुओं का रेला

प्रयागराज। महाकुंभ में सोमवार फाल्गुन कृष्ण पंचमी तिथि को बिना किसी विशेष तिथि–मुहूर्त के ही संगम पर आस्था का जन ज्वार उमड़ पड़ा। भोर में ही संगम जाने वाले रास्ते श्रद्धालुओं से भर गए। प्रयागराज जंक्शन, रामबाग और झूंसी सहित किसी स्टेशन पर पैर रखने की तक की जगह नहीं रही। सरकारी आंकड़ों के अनुसार दोपहर दो बजे तक करीब एक करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं।

महाकुंभ में सोमवार फाल्गुन कृष्ण पंचमी तिथि को बिना किसी विशेष तिथि–मुहूर्त के ही संगम पर आस्था का जन ज्वार उमड़ पड़ा। भोर में ही संगम जाने वाले रास्ते श्रद्धालुओं से भर गए। प्रयागराज जंक्शन, रामबाग और झूंसी सहित किसी स्टेशन पर पैर रखने की तक की जगह नहीं रही। जितने श्रद्धालु मेला से निकलकर अपने गंतव्य को जा रहे हैं, उससे ज्यादा स्नानार्थी संगम तट पर पहुंच रहे हैं।

महाकुंभ की ओर जाने वाली सड़कों पर सिर्फ गठरी, झोला लिए श्रद्धालुओं की भीड़ ही दिख रही है। सड़कों पर इस कदर आस्था हिलोरें मारती रही कि पैदल संगम से शहर तक मौनी अमावस्या सरीखा दृश्य नजर आ रहा है। संगम में अमृत स्नान के लिए आस्था का जन प्रवाह इसी तरह उफनाता रहा। दोपहर दो बजे तक करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का मेला प्रशासन ने दावा किया है। आंकड़े के मुताबिक अब तक करीब 54 करोड़ श्रद्धालु संगम स्नान कर चुके हैं। सोमवार को भी संगम पर तिल रखने की जगह नहीं बची।

भीड़ का दबाव बढ़ा तो प्रशासन की ओर से एक बार फिर संगम जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग करनी पड़ी। सुबह 10 बजे भीड़ बढ़ने पर केंद्रीय अस्पताल जाने वाले रास्ते पर भी पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी। पखवारे भर से लगा आस्था का तांता आधी रात के

बाद और तेज होने से संगम जाने वाली सड़कों पर हर तरफ जन ज्वार देख पांटून पुलों के साथ ही शहर के बाहर की सीमा पर भी वाहनों को रोका जाने लगा। संगम जाने वाले सभी रास्ते श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भर गए। अमृतमयी त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी के लिए एक लय में रात तक भक्ति की लहरें हिचकोले खाती रहीं।

संगम पर भक्ति की लहरों के एक बार फिर उठने के बाद मेला प्रशासन की ओर से घाटों पर भीड़ न लगाने की लगातार अपील की जा रही है। संगम के घाटों पर हर तरफ स्नानार्थी ही नजर आ रहे थे। कोई दंड–कमंडल लेकर तो कोई सिर पर गठरी और कंधे पर झोला–बोरा लिए संगम की ओर बढ़ रहा है। रास्ते भर जय गंगा मैया, हर–हर महादेव और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष लगाते लाखों श्रद्धालु देर रात तक संगम पहुंच चुके हैं। उधर,बढ़ती भीड़ के बीच संगम जाने वाले मार्गों पर शहर के लोगों ने भी श्रद्धालुओं की मदद और सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी।

रेलवे स्टेशनों से लेकर मेले तक भीड़ ही भीड़ नजर आ रही है। रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण भारी भीड़ हुई थी। माना जा रहा था कि सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आ सकती है, लेकिन सारे अनुमान गलत निकले। रविवार देर रात से ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ने लगा और सोमवार को दोपहर होते होते फिर भीड़ संगम क्षेत्र की ओर बढ़ने लगी। जितने श्रद्धालु स्नान करके लौट रहे हैं उससे ज्यादा लोग पहुंच रहे हैं। स्नान के बाद श्रद्धालु श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन भी कर रहे हैं।

भारी भीड़ को देखते हुए रिक्शा और ठेलिया वाले मनमानी वसूली कर रहे हैं। अलोपीबाग से संगम तक पहुंचाने के लिए एक श्रद्धालु से तीन सौ रुपया वसूल रहे हैं। इतना ही पैसा आने का भी लग रहा है। चलने फिरने में असमर्थ श्रद्धालुओं की मजबूरी का फायदा उठाकर ठेलिया वाले मनमानी पर उतारू हैं। बाइक गैंग भी मेले में सक्रिय है। 300 से 500 रुपया अलोपी बाग से संगम तक या संगम से प्रयागराज जंक्शन, रामबाग या झूंसी स्टेशन तक पहुंचाने का लिया जा रहा है।

महाकुम्भ में स्नान के दौरान डूबे चार श्रद्धालुओं की तलाश जारी

महाकुम्भ नगर, वरिष्ठ संवाददाता महाकुम्भ मेला में अरैल के समीप स्नान करते समय डूबे चार श्रद्धालुओं की सोमवार को भी तलाश जारी है। जल पुलिस, एनडीआरएफ व स्थानीय गोताखोरों की संयुक्त टीम सुबह से ही रेस्क्यू अभियान चला रही है। हालांकि घटना के चौबीस घंटे बाद भी चारों श्रद्धालुओं का पता नहीं चल सका है। डूबने वाले चारों श्रद्धालुओं में तीन बांदा जिले और एक बिहार का निवासी बताया गया है। घटना के बाद उनके साथ आए परिजन व साथियों में कोहराम मचा है। महाकुम्भ मेला में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। देश के कोने–कोने से श्रद्धालु पहुंचकर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। बीते रविवार को बांदा जिले थाना गिरवा महुआ निवासी दुर्गेश तिवारी और गणेश प्रसाद अरैल घाट पर स्नान के दौरान अपने दोस्तों के साथ मोबाइल से सेल्फी लेने लगा। इसी बीच बैरिकेटिंग के बाहर गहरे पानी में चले जाने से डूब गए। उधार, बांदा जिले का परीक्षित पुत्र सतीशचंद्र और खगरिया बिहार निवासी विशेष पुत्र सत्यम चौधरी भी अरैल में स्नान करते समय गहरने पानी में चले जाने से डूब गए थे। जल पुलिस प्रभारी जर्नादन साहनी ने बताया कि डूबे चारों श्रद्धालुओं की तलाश के लिए रेक्सयू अभियान चलाया जा रहा है।

मेला में अंतिम दस दिन पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती!

महाकुम्भ नगर, वरिष्ठ संवाददाता। महाकुम्भ में इस बार 144 साल बाद विशेष संयोग की वजह से स्नान पर्व ही नहीं बल्कि सामान्य दिनों में भी श्रद्धालुओं की अपार भीड़ बनी हुई है। कुम्भ पुलिस प्रशासन के लिए मेला के अंतिम दस दिन किसी चुनौती से कम नहीं है। मेला में श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक इजाफा होने की संभावना है। श्रद्धालुओं के जनसैलाब को देखते हुए शासन की ओर से सभी अधिकारियों को अंतिम स्नान पर्व तक अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार की रात भगदड़ में 18 लोगों की मौत के बाद महाकुम्भ मेला व प्रयागराज शहर में सतर्कता और अधिक बढ़ा दी गई है। इधर, मौनी अमावस्या पर भगदड़ की घटना के बाद प्रदेश सरकार की ओर से अतिरिक्त 54 आईएएस व आईपीएस अधिकारियों को स्थिति संभालने के लिए भेजा गया था। हालांकि माघी पूर्णिमा के बाद भी श्रद्धालुओं की भीड़ कायम है। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री ने माघी पूर्णिमा स्नान पर्व के लिए आए सभी अतिरिक्त अधिकारियों को मेला के अंतिम तिथि 26 फरवरी तक डटे रहने का आदेश दिया गया है। मेला में सोमवार को भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब कायम रहा। भीड़ को देखते हुए संगम सहित सभी स्नान घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। वहीं समूचे मेला क्षेत्र में चप्पे–चप्पे पर सुरक्षा जवान तैनात रहे।

महाकुम्भ मेला में रोजाना औसतन डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। भीड़ को देखते हुए सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुगम यातायात के लिए हरसंभव प्रयास जारी है।

वैभव कृष्ण, डीआईजी कुम्भ।

केंद्रीय अस्पताल में सीता-दुर्गा की गूंजी किलकारी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए आ रहे कुछ श्रद्धालुओं को गंगा मइया संतान सुख का उपहार भी

प्रदान कर रहीं हैं। 29 दिसंबर से 16 फरवरी तक 17 शिशुओं का जन्म हो चुका है। इसमें नौ बेटियां और आठ बेटे शामिल हैं। इस क्रम में शनिवार को सेक्टर–दो स्थित 100 बेड के केंद्रीय अस्पताल में बांदा की रहने वाली चांदनी ने एक बच्ची को जन्म दिया। अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ राकेश शर्मा ने बच्ची का नाम दुर्गा रखा। चांदनी को प्रसव पीड़ा होने पर उनके पति रवि रतन अस्पताल लेकर आए थे। वहीं रविवार को मप्र की रहने वाली शरीपना ने भी एक बच्ची को जन्म दिया। शरीपना को प्रसव पीड़ा होने पर उनके पति राज बराजे उन्हें लेकर केंद्रीय अस्पताल पहुंचे थे। केंद्रीय अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉघ मनोज कौशिक ने बच्ची का नाम सीता रखा। अब तक पैदा हुए बच्चों में सबसे बांदा और मप्र के हैं।

ब्रेन स्ट्रोक से पीड़ित नेपाली मरीज की बचाई गयी जान

महाकुम्भ नगर। ब्रेन स्ट्रोक से पीड़ित नेपाल लुंबनी के रहने वाले रामधनी (85) का एसआरएन अस्पताल में विशेष उपचार करके जान बचाई गयी। 14 जनवरी को गंभीर स्थिति में उन्हें मेला क्षेत्र से इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लाया गया था। रामधनी जांच के बाद पता चला कि उन्हें इस्केमिक स्ट्रोक की समस्था थी। इसलिए न्यूरो फिजीशियन डॉघ कमलेश सोनकर के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने थ्रॉम्बोलाइसिस की प्रक्रिया शुरू की गयी, जिससे मरीज की जान बचाई जा सकी। ट्रॉमा सेंटर के सह–नोडल अधिकारी डॉ. राजकुमार चौधरी के अनुसार महाकुम्भ में ट्रामा सेंटर की चिकित्सा सुविधाओं को और बेहतर बनाया गया है

गांधीजी को दुनिया मानती है अपना आदर्श : प्रो. जीसी त्रिपाठी

महाकुम्भ नगर। महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विचार मंच की ओर से अरैल स्थित सच्चा बाबा आश्रम कुम्भ दर्शन, गांधी दर्शन व विश्व शांति विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। इस मौके पर बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रोघ जीसी त्रिपाठी ने कहा कि गांधी का दर्शन किसी अध्यात्म से कम नहीं है। गांधी को भारत ही नहीं पूरी दुनिया ने अपना आदर्श माना है। मुख्य अथिति स्वामी चंद्र देव मिश्र ने विचार व्यक्त किए। मंच के संस्थापक अध्यक्ष शांति दूत प्रकाश अर्जुन वार ने कहा कि आज विश्व को युद्ध नहीं शांति और नशामुक्त युवाओं की जरूरत है। अध्यक्षता कर रहे आश्रम के प्रबंधक स्वामी प्रवेश ब्रह्मचारी ने कहा कि जीवन में सादगी अपनाने पर बल दिया।

कुम्भ केवल मेला नहीं है, बल्कि शक्ति, श्रद्धा का महापर्व

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से महाकुम्भ का सांस्कृतिक महत्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी मेला क्षेत्र सेक्टर–7 स्थित सेवाग्य संस्थानम प्रांगण में हुई। मुख्य वक्ता प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने कुम्भ की वैश्विक महत्ता, धर्म, दर्शन एवं मानव एकता का केंद्र बिंदु होने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कुम्भ में होने वाले तीर्थाटन को जीवन में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक बताया। मुख्य अतिथि महाराज मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि यह केवल मेला नहीं है, बल्कि शक्ति, श्रद्धा और भक्ति का महापर्व है, जिसे जीवन के हर क्षण में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कुंभ के ऐतिहासिक एवं पौराणिक पक्ष को भी विस्तार से समझाया। प्रो. गोपाल साहू ने अध्यक्षीय भाषण दिया।

डिजि-भीड़ के कारण शटल बसों का चलना मुश्किल

प्रयागराज। श्रद्धालुओं का रेला ऐसा उमड़ा कि शटल बसों का संचालन रविवार को कई बार बंद करना पड़ा। नेहरू पार्क के पास इतनी भीड़ हो गई थी कि संचालन संभव नहीं था। वहीं रोडवेज ने अस्थायी बस अड्डों से 2200 बसों का संचालन कर यात्रियों को विभिन्न जिलों में भेजा। सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर भीड़ बढ़ने पर यात्रियों की सुविधा के लिए शटल बसो का संचालन शुरू किया लेकिन बसें वहां से चल नहीं पा रही थीं। नेहरू पार्क चौराहे पर बसों पर एक साथ श्रद्धालु उमड़ रहे थे। सड़कों पर इतनी भीड़ थी कि शटल बसों का चलना मुश्किल हो गया। बार–बार संचालन रोका गया। नेहरू पार्क, बेला कछार, नैनी लेप्रोसी आदि अस्थायी बस स्टेशन पर आने वाली शटल सेवा बंद होने से हजारों श्रद्धालुओं को पैदल ही सफर करना पड़ा। यही हाल सोमवार सुबह था। स्टेशन से यात्रियों का रेला सड़कों पर उतरा तो बसों का संचालन करना मुश्किल हो गया।

महाकुंभ जाने के लिए पिता–बेटी ने 675 किमी चलाई साइकिल, दिल्ली से संगम डुबकी लगाने पहुंचे

प्रयागराज। दिल्ली के रहने वाले पिता और बेटी ने संगम जाने के लिए मुश्किल राह चुनी। ये ट्रेन या बस से नहीं बल्कि दिल्ली से प्रयागराज साइकिल चलाकर पहुंचे हैं। दोनों ने साइकिल पर 675 किमी का सफर तय किया और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई।

महाकुंभ की आस्था के आगे श्रद्धालुओं के लिए हर समस्या आसान हो रही है। कोई ट्रैफिक के कारण 200 किमी से ज्यादा का सफर बोट से तय कर रहा है तो कोई साइकिल से महाकुंभ पहुंच रहा है। 144 साल में हो रहे इस आयोजन पर हर कोई आस्था की डुबकी लगाने के लिए संगम पहुंच रहा है। इनमें से एक हैं दिल्ली के रहने वाले पिता और बेटी।

इन्होंने संगम जाने के लिए मुश्किल राह चुनी। ये ट्रेन या बस से नहीं बल्कि दिल्ली से प्रयागराज साइकिल चलाकर पहुंचे हैं। दोनों ने साइकिल पर 675 किमी का सफर तय किया और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई।

साइकिल से 675 किमी का सफर पूरा करके त्रिवेणी संगम पहुंची अनुपमा पंत का

साथ उनके पिता उमेश पंत ने दिया। दोनों दिल्ली के रहने वाले हैं और दिल्ली से प्रयागराज साइकिल से पहुंचे। उन्होंने एक रिकॉर्ड भी कायम कर लिया है। अपने इस कदम से दोनों पिता और बेटी लोगों को साइकिल चलाने का संदेश देना चाहते हैं। दोनों का मानना है कि साइकिल चलाने से कई समस्याओं का हल होता है और इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

आम जनता को साइकिल के फायदे को लेकर जागरुक करने के उद्देश्य से निकले पिता बेटी ने संगम स्नान किया और कहा कि साइकिल चलाने से स्वस्थ रहा जा सकता है। अनुपमा और उनके पिता ने कहा कि ज्यादातर लोग अपने कामों के लिए साइकिल से ज्यादा यात्रा करेंगे तो कई समस्याओं का समाधान भी निकल सकता है। उनका कहना है कि साइकिल से यात्रा करने से शरीर तो स्वस्थ होता ही है वहीं हमारा पर्यावरण भी स्वस्थ रहेगा।

पिता और बेटी ने अपनी इस पहल से लोगों को साइकिल चलाने की प्रेरणा दी है। इस पहल के जरिए दोनों शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही पर्यावरण स्वास्थ्य की ओर भी लोगों को प्रेरित कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर 80 लाख लोगों की पहचान बनी बुद्ध प्रतिमा, फोटो–सेल्फी लेने वालों की होड़

प्रयागराज। हिमालय बौद्ध संस्कृति संरक्षण सभा और उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान की ओर से सेक्टर 18 में स्थापित बौद्ध विशेष संगम शिविर के बाहर लगी पीले रंग की गांधार शैली की भगवान बुद्ध की खड़ी प्रतिमा लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है।

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में स्नान के बाद करोड़ों लोग खुद को धन्य समझ रहे हैं। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न शिविरों में लगी देवी–देवताओं की दिव्य प्रतिमाएं आकर्षित कर रही हैं। इन्हीं प्रतिमाओं से एक भगवान बुद्ध की है जो इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई है। हिमालय बौद्ध संस्कृति संरक्षण सभा और उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान की ओर से सेक्टर 18 में स्थापित बौद्ध विशेष संगम शिविर के बाहर लगी पीले रंग की गांधार शैली की भगवान बुद्ध की खड़ी प्रतिमा लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है।

प्रतिमा के साथ फोटो और सेल्फी लेकर लोग अपने फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और दूसरे सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कर रहे हैं। शिविर के संयोजक और दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चंदन कुमार ने बताया कि गूगल से रिपोर्ट लेने पर पता चला है कि 80 लाख से अधिक लोगों ने इस प्रतिमा को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है, जो निश्चित रूप से भगवान बुद्ध के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और आकर्षण को दर्शाता है।

यह प्रतिमा सेक्टर 18 में एक तरह का लैंडमार्क बनी हुई है और लोग भटकने पर एक–दूसरे को इसी प्वाइंट पर मिलने के लिए बुलाते हैं। पूरे मेले में में चार लाख से अधिक लोगों ने शिविर में आक आकर बुद्ध धर्म और संस्कृति को करीब से जाना–समझा।

महाकुंभ के दौरान इस शिविर में 11 देशों के बौद्ध लामा और भिक्षु का आगमन हुआ। डॉ. चंदन कुमार के अनुसार रूस, मंगोलिया, कोरिया, नेपाल, भूटान, बर्मा, वियतनाम, कंबोडिया, तिब्बत, जापान और श्रीलंका से लामा और भिक्षुओं ने आकर बौद्ध और सनातन धर्म के आपसी संबंध को मजबूत बनाने का काम किया।

अंतिम स्नान पर्व तक प्रयागराज में अलर्ट

प्रयागराज। महाकुंभ मेला में श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक इजाफा होने की संभावना है। शासन की ओर से सभी अधिकारियों को अंतिम स्नान पर्व तक अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। महाकुंभ में इस बार 144 साल बाद विशेष संयोग की वजह से स्नान पर्व ही नहीं बल्कि सामान्य दिनों में भी श्रद्धालुओं की अपार भीड़ बनी हुई है। कुंभ पुलिस प्रशासन के लिए मेला के अंतिम दस दिन किसी चुनौती से कम नहीं है। मेला में श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक इजाफा होने की संभावना है। शासन की ओर से सभी अधिकारियों को अंतिम स्नान पर्व तक अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। डीआईजी कुंभ, वैभव कृष्ण ने बताया कि महाकुंभ में रोजाना औसतन डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। भीड़ को देखते हुए सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुगम यातायात के लिए हरसंभव प्रयास जारी है। महाकुंभ मेला में प्रमुख स्नान पर्व बीतने के बाद भी आस्था का जनसैलाब उमड़ा हुआ है। मेला में रविवार को श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित भीड़ बनी रही। इसका असर न सिर्फ मेला क्षेत्र बल्कि प्रयागराज को जोड़ने वाले सभी प्रमुख मार्गों व शहर के अंदरूनी हिस्सों में भीषण जाम देखने को मिला। सड़कों पर पूरे दिन वाहनों का रेला लगा रहा। पुलिस प्रशासन के बावजूद जाम से लोगों को छुटकारा नहीं मिल सका। देश के कोने–कोने से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का महाकुंभ मेला में आने का क्रम निरंतर जारी है।

पुल पर चढ़ने से रोककर कुली ने बचा ली जान

प्रयागराज। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात हुए हादसे में प्रयागराज के चार यात्री बाल–बाल बच गए। स्टेशन के जिस फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ हुई, उसी से प्रयागराज के चार यात्रियों को भी प्लेटफॉर्म 14 पर आना था, लेकिन कुली ने भीड़ अधिक देखी तो प्रयागराज के चारों यात्रियों को पुल पर जाने से रोक दिया। कुछ मिनट बाद ही गदड़ मच गई। हादसे के समय नई दिल्ली स्टेशन पर मौजूद रहे मुंडेरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष धनंजय सिंह ने बताया कि गुलाब केरसवानी और उनकी दो बेटियों के साथ शनिवार रात प्रयागराज लौट रहे थे। साथ में सामान अधिक होने पर कुली की मदद ली। पुल पर भीड़ देखने के बाद कुली ने नीचे से प्लेटफॉर्म पार करने की सलाह दी। कुली ने सामान सिर पर लादा और साथ चल पड़े। प्लेटफॉर्म नंबर 16 से 15 पर पहुंचे ही थे कि भगदड़ की जानकारी मिली। 15 नंबर प्लेटफॉर्म पर नजर डाला तो देखा अफरा–तफरी मची थी।

14 नंबर प्लेटफॉर्म पर भी अफरातफरी थी। प्लेटफॉर्म पर गए तो भगदड़ में कई लोगों के दबने की जानकारी हुई। कुछ यात्री अपने लोगों को खोज रहे थे। धनंजय के मुताबिक साथ प्रयागराज आ रही गुलाब की दोनों बेटियां स्टेशन का मंजर देख घबराईं और रोने लगीं। उस समय समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करें। कुछ देर बाद याद आया कि प्रयागराज एक्सप्रेस से प्रयागराज लौटना है। स्टेशन का मंजर भूल नहीं रहा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ के बाद धनंजय सिंह, गुलाब केसरवानी दोनों बेटियों के साथ प्रयागराज के एसी–2 में आरक्षित सीट पर बैठने गए तो बोगी का नजारा देख हैरान रह गए। बोगी में उनकी सीट पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया था। बोगी में चढ़ने के लिए मारामारी हो रही थी। अकेले लोग तो बोगी में चढ़ गए लेकिन परिवार वाले सफल नहीं हो पाए। ट्रेन रवाना होने के पांच मिनट पहले कई लोग उनकी सीटों पर कब्जा होने को लेकर चिल्ला रहे थे। भीड़ ऐसी की अधिकतर परिवार सीटें आरक्षित होने के बावजूद बोगी में नहीं चढ़ पाए और ट्रेन चल दी। धनंजय के अनुसार भगदड़ के दौरान और ट्रेन की बोगियों में कब्जा करने वाले अधिकतर युवा थे, जो रविवार को हर हाल में संगम में डुबकी लगाना चाहते थे। धनंजय और साथ अन्य तीन रात में वाराणसी आ रही स्पेशल ट्रेन से प्रयागराज आए। इस ट्रेन में भी जबर्दस्त भीड़ थी।

33 दिन तक लगातार रूद्री पाठ का बना रिकॉर्ड

महाकुम्भ नगर। महाकुंभ में लगातार 33 दिनों तक तक रुद्री संहिता का पाठ कर वेदपाठियों ने रिकॉर्ड कायम किया है। एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड ने अधिकारिक रूप से इस मैराथन मंत्रोच्चार को मान्यता दी है। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के प्रकल्प दिव्य ज्योति वेद मंदिर के नाम यह रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। 14 जनवरी को भोर में तीन बजे से प्रारंभ हुए इस रुद्री पाठ का 16 फरवरी की भोर में चार बजे समापन हुआ। इस रिकॉर्ड में कुल 566 वेदपाठियों ने शुक्ल यजुर्वेद से रुद्राष्टाध्यायी संहिता (रुद्री पाठ) का 11,151 बार पाठन किया। इस दौरान कुल 794 घंटों तक 26,42,409 मंत्रों का जाप हुआ।

भयहरण नाथ धाम में 25वाँ महाकाल महोत्सव 24 से 27 फरवरी तक

-सुव्यवस्था होगी प्राथमिकता, यातायात प्रबन्धन है अपरिहार्य आवश्यकता
-महाकुंभ का महात्म व समाज में उसका प्रभाव होगा केंद्रीय विषय

प्रतापगढ़। सुप्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 25 वें महाकाल महोत्सव का भव्य आयोजन आगामी 24 से 27 फरवरी तक होगा। प्रबन्ध समिति ने बैठक कर रणनीति बनाई और भीड़ के मद्देनजर सुव्यवस्था को प्राथमिकता बनाया गया। सभी ने पार्किंग व यातायात प्रबन्धन को अनिवार्य ही नही अपरिहार्य आवश्यता बताया तथा पुलिस व प्रशासन से इस संदर्भ में हर संभव प्रभावी कार्यवाही की समाज में उसका प्रभाव ष होगा।

बैठक में धाम आने वाले मुख्य मार्ग सहित सभी मार्गो को दुरुस्त किये जाने को अत्यन्त जरूरी बताया। वहीं 26 फरवरी को भारी भीड़ की संभावना के दृष्टिगत मेला व मंदिर क्षेत्र से 1 किलोमीटर दूर से वाहन पूर्णतया प्रतिबंधित करने की मांग हुई। क्योकि धाम व पार्किंग स्थल पर पिछले कुछ वर्षो से निजी अतिक्रमण है। 26 फरवरी को अतिथियों स्वागत की जिम्मेदारी अध्यक्ष राज कुमार

प्रबन्ध समिति ने बैठक कर बनाई रणनीति

अपेक्षा की गई।

भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के अध्यक्ष कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह व महासचिव समाज शेखर ने मेला व मंदिर परिसर का भ्रमण कर कार्यो का चिन्हांकन प्रबन्ध समिति व मंदिर मेला उप समितियों के प्रमुख पदाधि ाकारियों के साथ किया। क्षेत्र से बाहर होने के कारण नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव व अधिशाषी अधि ाकारी से दूरभाष के माध्यम से संवाद स्थापित कर सभी व्यवस्था पर चर्चा करके कार्यो का निर्धारण हुआ। तय हुआ की इस वर्ष महोत्सव का केंद्रीय विषय ष्महाकुंभ का महात्म व शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह को दी गई। मेला व्यवस्था की जिम्मेदारी उपाध यक्ष प्रशासन बबन सिंह के मार्गदर्शन में मेला व्यवस्था समिति के संयोजक कमला कांत मिश्र , सचिव अनिल मिश्र व कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज को दी गई। अतिथि व कलाकार तथा कार्यकर्ता व सरकारी कर्मियों के भोजन की व्यवस्था हेतु उपाध्यक्ष डॉ अमर बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, मेला समिति के वरिष्ठ सदस्य शत्रुघ्न सिंह व मनीराम पटेल ने जिम्मेदारी ली।

मुख्य मंदिर सहित सभी मंदिर के पुजारियों सुव्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई, सहयोग हेतु मन्दिर व्यवस्था समिति के सभी सदस्यों को संयोजक भोला नाथ तिवारी उप सयोजक महेश्वरी पांडेय व सचिव सच्चिदानंद पांडेय मुरली की देखरेख में किया जाना तय हुआ। उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र व सह कोषाध यक्ष कमलेश वैश्य को अपने विभाग के सचिव व उपसचिव के माध्यम से संपूर्ण आयोजन क आय व व्यय को संयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई। उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमाकांत पांडेय व सचिव आलोक बैरागी तथा उप सचिव राम कृष्ण महाजन को समस्त सरकारी व संस्थान के कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने की जिम्मेदारी दी गई। पत्रकार सम्मेलन की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष मीडिया पी बी सिंह व वरिष्ठ पत्रकार मतेंद्र कीर्ति को जिम्मेदारी दी गई। कवि सम्मेलन के संयोजन की जिम्मेदारी डॉ अशोक अग्रहरि व आलोक बैरागी को दी गई। क्षेत्रीय सांस्कृतिक आयोजन की जिम्मेदारी मिडिल स्कूल के प्रभारी मो फरहीम को दी गई। सभी सभासदो व प्रधान गण से सहयोग व भागीदारी की अपेक्षा की गई।

नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना यादव ने कहा की साफ सफाई सहित सभी जरूरी कार्य अति शीघ् कराया जायेगा। उत्तम प्रकाश की व्यवस्था होगी। मेला क्षेत्र को निर्धारित नजरी नक्शे के अनुसार मेला समिति के सहयोग से सुव्यवस्था के साथ लगाया जायेगा। महासचिव समाज शेखर द्वारा कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता सहायक राज कुमार गौतम को प्रशासनिक परिसर, पर्यटक सुविधा केंद्र व शौचालय को दुरुस्त रखने को कहा गया।

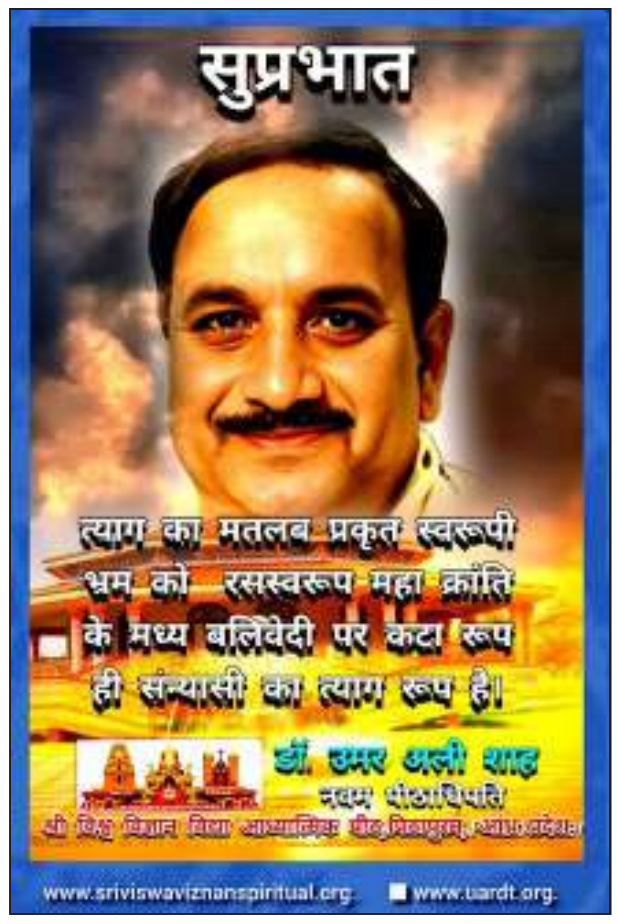

श्रद्धा की डुबकी

(कुण्डलिया)

श्रद्धा की डुबकी लगा,फागुन में श्रद्धालु।
हर्षित होकर कह रहे,माँ हैं बड़ी कृपालु।
माँ हैं बड़ी कृपालु,देख लो उनकी महिमा।
रखतीं सबका लाज,बचाती सबकी गरिमा।
सुन लो कहे प्रदीप, कहो मत उनको वृद्धा।
करें कुम्भ स्नान, रखे गंगा पर श्रद्धा।।

रिश्तों के संसार में,फागुन की घुसपैठ।
खुशियाँ दिल में बैठकर, मूँछ रही है ऐठ।
मूँछ रही है ऐठ,रार घबराकर भागा।
रिश्ते हुए जवान, बुढ़ापा सबने त्यागा।
सुन लो कहें प्रदीप,स्वाद गुझिया–खस्तों के।
करती खत्म विवाद,हमेशा रिश्तों के।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री, उप–मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, ''बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, सामाजिक न्याय के पुरोधा, 'जननायक' कर्पूरी ठाकुर जी शोषित और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए आजीवन प्रतिबद्ध रहे।'' उन्होंने लिखा, ''सामाजिक समता के लिए उनका संघर्ष और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। आज उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, ''गरीबों, पिछड़ों व वंचितों की सशक्त आवाज, सामाजिक समरसता के प्रतीक एवं कुशल राजनीतिज्ञ, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, भारतरत्न से सम्मानित जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। कर्पूरी ठाकुर का जन्म 24 जनवरी, 1924 को ब्रिटिश शासन काल में समस्तीपुर जिले के पितौंझिया गांव में हुआ था, जिसे अब 'कर्पूरीग्राम' कहा जाता है। आज ही के दिन 17 फरवरी, 1988 को पटना में उनका निधन हुआ था। कर्पूरी ठाकुर एक स्वतंत्रता सेनानी, दूरदर्शी राजनेता तथा किसानों, महिलाओं और समाज के वंचित वर्गों के हितैषी थे। जनहित के कार्यों के कारण उन्हें 'जननायक' कहकर संबोधित किया जाता है। उनका जीवन लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने और भारत के संविधान में निहित स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने के अथक प्रयास की मिसाल है।

यूपी मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं शुरू, 2000 छात्र–छात्राएं शामिल हुए

लखनऊ उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो गईं। लखनऊ में 6 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 2000 छात्र–छात्रों ने परीक्षा दी। पूरे प्रदेश में 89 हजार छात्र परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार आर.पी सिंह ने बताया कि 17 से 22 फरवरी तक ये परीक्षा चलेगी। मौलवी (सेकेंडरी अरबी), मुंशी (सेकेंडरी फारसी) और आलिम (सीनियर सेकेंडरी अरबी,फारसी) के पेपर होंगे। परीक्षा दो पाली में हो रही है, जिसमें सुबह की पाली 8 बजे से 11 बजे तक और शाम की पाली 2 बजे से 5 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा की सुरक्षा सख्त और पारदर्शी बनाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। सभी सेंटर्स की सीसीटीवी के माध यम से निगरानी की जा रही रही है। मदरसा बोर्ड के आला अधि ाकारी पूरे प्रदेश के केंद्रों का लखनऊ से ऑनलाइन निगरानी कर रहे हैं। प्रदेश के सभी जिला अल्पसंख्यक अधिकारी अपनी क्षेत्र में मदरसों का निरीक्षण कर रहे हैं। आरपी सिंह ने बताया कि परीक्षा को नकल से मुक्त बनाने के लिए फ्लाइंग टीम पूरी तरह से सक्रिय हैं। परीक्षा से पूर्व सभी केंद्रों का बारीकी से जायजा लिया गया था। परीक्षा के दौरान भी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मौलवी मुंशी और आलिम की परीक्षा समय से शुरू हो गई। उत्तर प्रदेश के 71 जनपदों में 434 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी सेंटर्स की सीसीटीवी मॉनिटरिंग लगातार जारी है। प्रदेश के 150 परीक्षा केंद्रों को सीधे कंट्रोल कमांड रूम से वेब कास्टिंग के माध्यम से जोड़ा गया है। सभी जिलों में मजिस्ट्रेट विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उड़न दस्ता और सचल दस्ता मदरसों में पहुंचकर औचक निरीक्षण कर रहा है।

फरवरी में 4 डिग्री तक पारा बढ़ेगा राजधानी का पारा, पछुवा हवा थमने से ठंड कम

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सुबह मौसम साफ रहने के साथ चटक धूप निकली हुई है। सोमवार तड़के तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया। आज अधिकतम तापमान 30 डिग्री रहने की संभावना है। इससे पहले 1 फरवरी को 30 डिग्री और 2 फरवरी को 29.2 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया था। रविवार को फिर से 29.5 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि रविवार को अधिकतर इलाकों में पछुआ हवाओं की गति लगभग थम गई है। इसी के चलते तापमान लगातार बढ़ रहा है। आने वाले तीन–चार दिनों तक इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है। फरवरी में लखनऊ का तापमान 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। यदि ऐसा ही रहा तो पिछले 15 साल का रिकॉर्ड ब्रेक हो सकता है। उन्होंने बताया कि फरवरी माह में प्रदेश के विभिन्न जिलो में तापमान में वृद्धि देखने को मिल रही है।

त्रिवेणी संस्था ने दो वरिष्ठ शिक्षकों को किया सम्मानित, कवि गोष्ठी हुई

मीरजापुर। सिटी लान, बरियाघाट में रविवार को अध यात्म,संस्कृति एवं साहित्य की शत्रिवेणीश संस्था द्वारा नगर के वयोवृद्ध शिक्षक कैलाश नाथ त्रिपाठी (पूर्व विभागाध्यक्ष गणित के बीपीजी कालेज) और मोहनलाल आर्य , पूर्व प्रध ाानाचार्य बीएलजे इंटर कालेज को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सरस काव्य गोष्ठी भी हुई। गोष्ठी मे रवीन्द्र कुमार कुमार पांडेय सरल ने सरस्वती वंदना और वरिष्ठ पत्रकार सलिल पांडेय ने गणेश वंदना की। कार्यक्रम के संयोजक केदारनाथ सविता ने कविता सुनाया– अच्छा है हम न करें किसी तरह के वादे, तुम्हारा और मेरा साथ बस मोड़ के आने तक है। वरिष्ठ कवि भोलानाथ कुशवाहा ने गजल सुनाया– गजल मुस्कुराओ तो कुछ बात बने, कभी अकेले आओ तो कुछ बात बने। मुहिब मिर्जापुरी ने गजल पढ़ा– जाने क्या मंजिल ब मंजिल ढूंढती है जिंदगी, हादसों की रहगुजर पर चल रही है जिंदगी। सलिल पांडेय ने व्यंग्यात्मक कविता का पाठ किया– देखो जी मुझे चिढ़ाया न करो। लालब्रत सिंह सुगम ने अपने दमदार दोहों से काव्य गोष्ठी को ऊँचाई प्रदान की– युवा जुनूनी क्यों बना नित करता जो खून। डॉ उषा कनक पाठक ने मधुर गीतों से वातावरण को रससिक्त किया– जिस दीपक को ढूंढ रही थी, अनायास वह मिला मार्ग में। खुर्शीद भारती ने देशप्रेम की रचना सुनाई– अपनी सरहद की निगरानी भी करनी है मुझे, मैं तेरी मांग सजाऊँगा चला जाऊँगा। अनिल यादव ने बहुत उम्दा पंक्तियों को सुनाया– अपनी तनहाइयों के निशान मिटाने चला हूं, रंग और गुलाब इस मौसम में उड़ाने चला हूँ। कवि गोष्ठी को नई दिशा देते हुए नन्दिनी वर्मा ने मधुर आवाज में सुनाया– हम अकेले चल दिये सब रह गये पीछे हमारे। श्याम अचल ने सुनाया– ये राम नाम तो सभी मंत्रों का मूल है। सारिका चौरसिया ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा– यूँ ही कोई जंगल बियावान और शहर वीरान नहीं होता एक दिन में। आनंद अमित ने सुनाया– वो गीत तुम्हारे वसन्त के फुल बनकर खिलेंगे। पूर्व विधायक भगवती चौधरी, इलाहाबाद बैंक के पूर्व मैनेजर राजीव रंजन, इरफान कुरैशी, अरविंद अवस्थी, रवीन्द्र पांडेय सरल आदि ने भी अपनी रचनाओं से गोष्ठी को ऊँचाई प्रदान की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भोलानाथ कुशवाहा ने की और संचालन अरविंद अवस्थी ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन केदार नाथ सविता ने किया। गोष्ठी में सुरेश त्रिपाठी एडवोकेट, भूपेन्द्र सिंह डंग, आशुतोष अग्रवाल, विमला शंकर दुबे, निरंजना एडवोकेट, राजेन्द्र तिवारी, प्रकाश तिवारी, अमरनाथ सिंह, उमेश चंद्र मालवीय, विनोद कुमार जायसवाल, धर्मेंद्र कुमार आर्य आदि शामिल थे। सभी कवियो को प्रशस्ति पत्र त्रिवेणी संस्था के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार पांडेय के हाथों वितरित किया गया।

अंत में संस्था के पूर्व सदस्य गुलाब चंद तिवारी के निधन पर दो मिनट का मौन धारण करने बाद कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा की गयी। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के संयोजक केदारनाथ सविता ने किया।

कलेक्ट्रेट आ रहे हैं तो पिलियन राइडर को भी लगाना होगा हेलमेट

जिलाधिकारी ने जारी किया आदेश

मथुरा। कलेक्ट्रेट आ रहे हैं तो पिलियन राइडर को भी हेलमेट लगाना होगा। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने निर्देशित करते हुए अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश के सभी शासकीय एवं अर्ध शासकीय कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी जो दोपहिया वाहन से कार्यालय आते हैं, वे सभी हेलमेट अनिवार्य रूप से पहने और उनके साथ यात्रा करने वाले सहयात्री (पिलियन राइडर) के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य है। इसी प्रकार जो अधिकारी, कर्मचारी चारपहिया वाहन से कार्यालय आते है, वे वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करे एवं अन्य सभी सह यात्रियों के लिये सीट बेल्ट पहननी होगी। कार्यालयों के प्रवेश द्वार पर सुरक्षाकर्मी द्वारा हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनुपालन की जांच करने पर यदि उक्त निर्देशों का उल्लंघन पाया जाता है, तो कार्यालय में प्रवेश पर रोक लगायी जायेगी। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही पर विचार किया जायेगा। सभी कार्यालयाध्यक्षों द्वारा अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों से उक्त निर्देशो का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।

रक्षा लेखा विभाग का 11वां अखिल भारतीय डीएडी बैडमिंटन टूर्नामेंट आल से

लखनऊ, संवाददाता। रक्षा लेखा खेल नियंत्रण बोर्ड (डीएएससीबी) के तत्वावधान में रक्षा लेखा विभाग के 11वां अखिल भारतीय डीएडी बैडमिंटन टूर्नामेंट (पुरुष और महिला) 18 फरवरी 2025 से 21 फरवरी 2025 तक लखनऊ छावनी स्थित सूर्या खेल परिसर (एसकेपी) में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन देविका रघुवंशी, आईडीएएस, रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) और अध्यक्ष डीएएससीबी द्वारा किया जाएगा। यह टूर्नामेंट नॉकआउट आधार पर पांच श्रेणियों–पुरुष और महिला (एकल), पुरुष और महिला (युगल) और मिश्रित डबल में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में पूरे भारत के 31 नियंत्रक कार्यालय से कुल लगभग 192 प्रतिभागी (पुरुष,महिला) भाग लेंगे। टूर्नामेंट में 131 पुरुष और 61 महिलाएं भाग लेंगी। टूर्नामेंट को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। स्पोर्ट्स कोटा श्रेणी, ओपन श्रेणी और आईडीएएस अधिकारी। इसमें खेल कोटा के तहत 13 खिलाड़ी (06 पुरुष और 07 महिलाएं), आईडीएएस अधिकारी श्रेणी के तहत 41 अधिकारी (33 पुरुष और 08 महिला अधिकारी) और ओपन श्रेणी के तहत 138 खिलाड़ी (92 पुरुष और 46 महिलाएं) भाग लेंगे। रक्षा लेखा खेल नियंत्रण बोर्ड (डीएएससीबी) की स्थापना मई 1996 में विभाग की खेल आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए रक्षा मंत्रालय (वित्त) की मंजूरी के साथ की गई थी और यह पूरे भारत में क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कैरम बोर्ड, शतरंज, टेबल–टेनिस आदि जैसी कई खेल गतिविधियों का आयोजन करता है। डीएएससीबी को उपरोक्त सभी राष्ट्रीय खेल प्राधिकरणों जैसे–अखिल भारतीय कैरम महासंघ, भारतीय टेबल टेनिस महासंघ, भारतीय बैडमिंटन संघ, हॉकी इंडिया, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ आदि द्वारा मान्यता प्राप्त है।

यूपी में बिक रहे मानकविहीन अंडों को लेकर किसानों का अनवरत धरना प्रदर्शन जारी

यूपी के अंडा उत्पादक किसान लगातार धरना प्रदर्शन पर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अंडा उत्पादक किसानों का धरना प्रदर्शन पशुपालन निदेशालय लखनऊ में छठे दिन भी सोमवार को जारी रहा। प्रदेश के कोने–कोने से आए किसानों ने अपनी मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने अपनी प्रमुख मांगों जैसे एनईसीसी पर पूर्ण प्रतिबंध, अंडे के रेट निर्धारण समिति का गठन, अंडों पर खाद्य सुरक्षा मानकर प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप अंडों पर उत्पादन तिथि, उत्पादन का स्थान एवं अंतिम उपभोग अवधि अंकित करने जैसे संवैधानिक प्रावधानों को तुरंत लागू करने की मांग की। समिति के अध्यक्ष वीपी सिंह ने कोल्ड स्टोरेज में अंडों को रखने हेतु खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण कि नियमों के अनुरूप तुरंत शासनादेश जारी किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह धरना प्रदर्शन सरकार के खिलाफ नहीं है बल्कि अंडा उत्पादकों एवं सरकार की पोल्ट्री पॉलिसी को असफल करने में जुटे हुए एनईसीसी और अन्य अंडा माफियाओं के खिलाफ है। समिति के सचिव मोहम्मद नाजिम ने बताया खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण ने 2011 में अंडों को मांसाहारी खाद्य की श्रेणी में रखा है और उत्तर प्रदेश के कोल्ड स्टोरेज में अंडे सब्जियों एवं आलू आदि के लिए बने हुए कोल्ड स्टोरेज में रखे जा रहे हैं। सहारनपुर के जिला अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज में रखे अंडा उत्पादन तिथि से केवल 35 दिन के अंदर ही खाया जा सकता है लेकिन अंडा माफिया और एनईसीसी महीनों तक कोल्ड स्टोरेज में अंडा रखकर बेच रहे हैं जिसके कारण प्रदेश के किसानों का ताजा अंडा उत्पादन लागत से भी कम मूल्य पर बिक रहा है। समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता मंसूर अहमद ने अंडों को रखने के लिए तुरंत मानक बनाने एवं उनके कोल्ड स्टोरेज को अलग से लाइसेंस देने की व्यवस्था करने की मांग की। जौनपुर के जिला अध्यक्ष वरुण श्रीवास्तव, बिजनौर के निश्चल, गोरखपुर के संदीप मोदनवाल आदि समस्त जिला अध्यक्षों ने अंडों के स्थगित शासनादेश को गैर विवादित बिंदुओं के साथ तुरंत जारी करने की मांग की। समिति के मीडिया प्रभारी वसी उल हसन , उपाध्यक्ष उमैर अब्बासी ने कहा कि सरकार ने किसानों की आजीविका बचाने के लिए न्यायोचित मांगों को शीघ्र नहीं माना तो वर्तमान बजट सत्र में विध ायकों को अंडा उत्पादकों की समस्या से अवगत कराते हुए इस पर प्रभावी ढंग से विधानसभा में उठाया जाएगा।

मरहूम चौधरी आले उमर की याद में मेजबान होटल में जलसा 20 को

लखनऊ, संवाददाता। ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैशयूपी केदफ्तर में एक मीटिंग हुई। जिस में ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैशयूपी के महासचिव, जमीयत उलमा के वरिष्ठ जिला उपाध यक्ष और विख्यात समाजसेवी मरहूम अल्हाज चौधरी आले उमर कुरैशी की याद में 20 फरवरी को दोपहर दो बजे लाटूश रोड स्थित होटल मेजबान में जलसा आयोजित किया जाएगा।

सम्पादकीय.....

आस्था के संगम में फिल्मी सितारों की डुबकी

धर्म और आस्था का सबसे बड़ा समागम प्रयागराज का महाकुंभ अपनी पूरी भव्यता के साथ चल रहा है। अब तक करोड़ों श्रद्धालु और संतों के साथ देश और दुनिया के हर क्षेत्र की कई बड़ी हस्तियां इस आयोजन के पवित्र संगम में डुबकी लगा चुकी हैं। ऐसे में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियां भी पीछे नहीं रही। कलाकारों, संगीत से जुड़ी नामचीन हस्तियों और टेलीविजन के लोगों ने महाकुंभ में शिरकत की और गंगा, जमुना और सरस्वती की पवित्र त्रिवेणी के संगम में स्नान कर आध्यात्मिक संतुष्टि महसूस की। प्रयागराज महाकुंभ के इस महाआयोजन का आनंद लेने के लिए करोड़ों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में कई फिल्मी हस्तियों ने भी महाकुंभ में शामिल होकर सनातन धर्म को करीब से जाना। ये हस्तियां बिना किसी लवाजमे के यहां पहुंचीं और पुण्य के भवसागर में आस्था की डुबकी लगाई। पवित्र संगम में जिस भी फिल्मी हस्ती ने डुबकी लगाई, उसने बिना किसी दिखावे के अपनी श्रद्धा दर्शाई। ज्यादातर फिल्मी लोग अपनी पहचान बताए बिना महाकुंभ में आए और गंगा नहाए। हेमा मालिनी और रवि किशन जैसे लोगों के आसपास जरूर सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। जबकि, दक्षिण के कई बड़े सितारे ऐसे भी आए जो सामान्य व्यक्ति की तरह महाकुंभ में पहुंचे। इस इलाके के एक नामी खलनायक ने तो अपनी पहचान जाहिर करने पर नाखुशी तक जाहिर की। महाकुंभ में हस्तियों को लेकर कुछ अलग प्रसंग भी हुए, उनमें 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी, माला बेचने वाली मोनालिसा और आईआईटीयन संत भी हैं। ममता कुलकर्णी ने महाकुंभ 2025 के दौरान किन्नर अखाड़ा में शामिल होकर संन्यास ग्रहण किया। उनके इस फैसले को जमकर प्रचार मिला। लेकिन, संतों के विरोध के कारण बाद में उन्हें महामंडलेश्वर पद से हटा दिया गया। हिंदी और भोजपुरी के मशहूर एक्टर और सांसद रवि किशन भी संगम में डुबकी लगाने महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे डुबकी लगाते और पूजा करते दिखे। वीडियो पोस्ट करते हुए रवि किशन ने अपनी भावना जाहिर की– 'तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में संगम में स्नान के पश्चात पूजा किया। देश की आस्था, संस्कृति की प्रतीक पवित्र गंगा और यमुना को निर्मल और अविरल करने का कार्य पूरा हो, इसकी प्रार्थना की!' जाने–माने एक्टर अनुपम खेर ने भी महाकुंभ में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पवित्र स्नान किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर स्नान की झलक शेयर की और इस आध्यात्मिक क्षण में प्रार्थना करते हुए मंत्रों का जाप किया। फिल्म कोरियोग्राफर एंड डायरेक्टर रेमो डिसूजा भी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे, फैंस से अपना चेहरा छुपाकर स्नान किया व बाद में सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया। अभिनेत्री नीना गुप्ता और संजय मिश्रा भी महाकुंभ में पहुंचे। दोनों ही कलाकारों ने मेले का भ्रमण किया और संगम में डुबकी के साथ गंगा को नमन किया। दोनों ही कलाकार अपनी अगली फिल्म 'वध–2' के प्रचार के लिए भी प्रयागराज पहुंचे। नीना गुप्ता ने कहा कि मां गंगा के पवित्र जल में स्नान का अवसर एक आध्यात्मिक यात्रा जैसा अहसास था। संजय मिश्रा की भावना थी कि आस्था का सागर देखना इतना सुखद है कि शब्दों में बयान करना मुश्किल है। फिल्म अभिनेता राजकुमार राव ने पत्नी पत्रलेखा के साथ पवित्र समागम का हिस्सा बनने के लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया। वे महाकुंभ की हवाओं में बिखरे आध्यात्मिक भावों और लाखों–करोड़ों लोगों को कुंभ स्नान करते देखकर अभिभूत दिखे। 'मैंने प्यार किया' से धूम मचाने वाली एक्ट्रेस भाग्यश्री अपने बच्चों अवंतिका और अभिमन्यु दासानी के साथ प्रयागराज पहुंचीं और सोशल मीडिया पर वहां की झलकियां शेयर कीं। प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने भी भक्तों से अपने पवित्र स्नान को आध्यात्मिक ज्ञान के साथ पूरक करने का आग्रह किया। कलाकार मिलिंद सोमन भी पत्नी अंकिता कोंवर के साथ प्रयागराज आए। इस जोड़े ने मौनी अमावस्या के शाही स्नान वाले दिन संगम में डुबकी लगाई व भक्ति में डूबे दिखे। दोनों ने अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। फिल्मों की ड्रीम गर्ल और सांसद हेमा मालिनी भी मौनी अमावस्या के मौके पर महाकुंभ पहुंचीं। इस दौरान उनके संग बाबा रामदेव भी नजर आए। अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने भी महाकुंभ मेले में शिरकत की। उन्होंने संगम पर स्नान किया और सोशल मीडिया पर अपनी फोटो शेयर की। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी भी महाकुंभ में स्नान के लिए पहुंची। अदाकारा ईशा गुप्ता भी संगम में डुबकी लगाते हुए नजर आई। फिल्म 'जन्नत' में नजर आई एक्ट्रेस सोनल चौहान ने भी त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। अभिनेत्री पूनम पांडे भी महाकुंभ में दिखाई दी। संगम में स्नान करते हुए कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा 'महाकुंभ३ जीवन को करीब से देखना, जहां 70 साल का बुजुर्ग घंटों नंगे पैर चलता है, जहां आस्था की कोई सीमा नहीं होती। यहां की भक्ति ने मुझे निःशब्द कर दिया।' फिल्म इंडस्ट्री के कई स्टार्स अब तक महाकुंभ मेले में पहुंचकर संगम में स्नान कर चुके हैं। इनमें उपरोक्त के अलावा सिंगर गुरु रंधावा, केजीएफ एक्ट्रेस श्रीनिधि शेट्टी, फिल्ममेकर एकता कपूर समेत तमाम फिल्मी सितारे महाकुंभ में भाग ले चुके हैं। वहीं इससे पहले फेमस इंटरनेशनल रॉक बैंड कोल्ड प्ले के सिंगर क्रिस मार्टिन व एक्ट्रेस डकोटा जॉनसन ने भी महाकुंभ में स्नान किया था। मॉडल हर्षा रिछारिया, माला बेचने वाली कत्थई आंखों वाली मोनालिसा, आईआईटीयन बाबा और पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी इस महाकुंभ के कुछ ऐसे पात्र हैं, जो कई दिनों तक चर्चा में बने रहे। सबसे ज्यादा माहौल बना ममता कुलकर्णी का जो 90 के दशक की लोकप्रिय हीरोइन थी। अपने बोल्ड लुक और सुंदरता के लिए लोकप्रिय ममता करीब 19 साल पहले गायब हो गई थी। इनका नाम अंडरवर्ल्ड से लेकर ड्रग्स माफिया और कई गुंडों तक से जुड़ता रहा। अचानक ममता कुलकर्णी इस महाकुंभ में अवतरित हुई और किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बन गई। संगम तट पर पिंडदान किया और उन्हें नाम मिला यामाई ममता नंद गिरि। लेकिन, सप्ताहभर में ही उनकी सारी कीर्ति ध्वस्त हो गई जब साधु–संतों के विरोध के बाद उन्हें महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया गया। ऐसी ही लोकप्रियता एक माला बेचने वाली लड़की मोनालिसा को उसकी कत्थई आंखों और सुंदरता के कारण मिली। महाकुंभ में वे इतनी चर्चित हो गईं कि उसे परिवार ने वापस अपने मध्यप्रदेश के गांव भेज दिया। लेकिन, उसकी सुंदरता ने फिल्म इंडस्ट्री को बेहद प्रभावित किया व एक फिल्म की हीरोइन बना दिया गया। फिलहाल वे मुंबई में एक्टिंग की ट्रेनिंग के साथ अपने मेकओवर में लगी हैं। इन दोनों के अलावा मॉडल हर्षा रिछारिया और आईआईटीयन बाबा भी कुछ दिन खबरों में छाए रहे, समय के साथ ये सभी हाशिए पर चले गए। पर, आस्था व धार्मिक चेतना जगाने वाला महाकुंभ मेला जारी है।

मोदी की फ्रांस-अमरीकी यात्रा से मिले नए संदेश

प्रेम शर्मा

रूस– यूक्रेन और इजराइल–फिलस्तीन संघर्ष के बीच आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई, तो कच्चे तेल के मामले में भारत ने रूस से सहयोग लेना शुरू कर दिया।

अभी चंद दिनों पहले अमरीकी सरकार द्वारा अवैध तरीके से अमरीका में रह रहे भारतीयों को बंधक बनाकर भारत भेजे जाने से देश में तनाव का महौल बन गया था। जबसे डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला है, वे कई मामलों में काफी आक्रामक रहे हैं। पदभार संभालने के साथ ही जिस तरह उन्होंने भारतीय मूल के अवैध प्रवासियों की पहली खेप बेड़ियों में जकड़ कर वापस भेज दी, उससे कई तरह की चिंताएं जताई जाने लगी थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय अमेरिका यात्रा को विशेष माने जाने के एक नहीं, कई कारण रहे। यह दो बहुत अच्छे दोस्तों को बेहद टफ नेगोशिएटर की भूमिका में देखने का एक दिलचस्प मौका तो थी ही, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। हालांकि प्रधानमंत्री इस बार राजकीय यात्रा पर नहीं गए थे, मगर डोनाल्ड ट्रंप ने उनके साथ पूरी गरमजोशी दिखाई। इस मुलाकात में कई तरह के भ्रम भी दूर हुए। प्रधानमंत्री की इस बार की अमेरिका यात्रा कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण कही जा सकती है। इसी तरफ फ्रांस यात्रा में भारत और फ्रांस के बीच दस समझौते हुए है। यानि प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस और अमरीकी यात्रा कई मायने में महत्वपूर्ण साबित हुई। कुछ लोग कयास लगा रहे थे कि ट्रंप जिस तरह कुछ देशों के साथ व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क थोप रहे हैं और अमेरिकी हितों को तरजीह दे रहे हैं, उसमें भारत के साथ भी व्यापार प्रभावित हो सकता है। मगर ट्रंप ने इस कयास को साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि जो देश जितना शुल्क लगाएगा अमेरिका भी उस पर उतना ही शुल्क लगाएगा, न कम न ज्यादा इसका साथ ही उन्होंने भारत सरकार के इस फैसले की तारीफ की कि उसने अनावश्यक शुल्क हटाना शुरू कर दिया है। जिससे भारतीय बाजार में अमेरिका की पहुंच कुछ और बढ़ेगी। दोनों देशों ने प्रतिरक्षा, तेल–गैस, नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग, आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग और प्रतिरक्षा खरीद मामलों ने महत्त्वपूर्ण समझौते किए। अमेरिका भारत को एफ–35 युद्धक विमान बेचने का इच्छुक है। भारत ने इस पर सहमति दे दी है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं, पर भारत मानता है कि इस विमान की खरीद से उसकी सामरिक शक्ति बढ़ेगी। अमेरिका ने भरोसा दिलाया है कि वह भारत की नागरिक परमाणु ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा और हर सहयोग उपलब्ध कराएगा। वह भारत की तेल और गैस संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा। दरअसल, भारत की चिंता कच्चे तेल की अधिक रहती है। रूस– यूक्रेन और इजराइल–फिलस्तीन संघर्ष के बीच आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई, तो कच्चे तेल के मामले में भारत ने रूस से सहयोग लेना शुरू कर दिया। अब अमेरिका से इस क्षेत्र में सहयोग मिलेगा, तो निश्चय ही उस पर दबाव कुछ कम होगा। निश्चय ही यह अमेरिका के फैसले के प्रति सकारात्मक रुख है। सबसे अधिक चिंता व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क लगाने से भारत के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की चिंता जताई जा रही थी, मगर उस चिंता को दूर करते हुए दोनों देशों ने भरोसा दिलाया है कि वे 2030 तक आप व्यापार को दोगुना करेंगे। इससे न केवल दोनों देशों का व्यापार घाटा कम होगा, बल्कि दोनों का बाजार कुछ और विस्तृत होगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में जिस गतिरोध की आशंका जताई जा रही थी, वह समाप्त हो गई है। यही नही जो थोड़ी–बहुत कसर बाकी थी, वह भी आपसी मुलाकात से ठीक पहले राष्ट्रपति ट्रंप के इस ऐलान से पूरी हो गई कि अमेरिका समान टैरिफ की पॉलिसी पर चलेगा। उन्होंने साफ–साफ कह दिया कि जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाएगा, हम उस पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे। यह भारत को परोक्ष लेकिन सीधी चेतावनी थी। इस माहौल में तनाव को हावी होने दिए बगैर पीएम मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे मेक अमेरिका ग्रेट अगेन की तर्ज पर अपना नारा – मेक इंडिया ग्रेट अगेन पेश किया। उन्होंने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि राष्ट्रपति ट्रंप की तरह वह भी अपने राष्ट्रहित का अनुसरण करेंगे। इस कूटनीतिक का नतीजा था कि जो माहौल टकराव की ओर जाता दिख रहा था, वह सहयोग बढ़ाने के प्रयासों की ओर केंद्रित हो गया। न केवल टैरिफ जैसे मसलों पर फ्रेमवर्क बनाने की बातचीत शुरू करने पर सहमति बनी बल्कि अंतरिक्ष यात्रा, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और ऊर्जा जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर नजरें जम गईं। सबसे खास बॉत यह कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत और अमेरिका लंबे समय से सहयोगी रहे हैं। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहब्बुर राणा के प्रत्यर्पण को लेकर अमेरिका ने सकारात्मक रुख दिखाया है, उससे दोनों के रिश्ते और प्रगाढ़ हुए हैं। इसका सीधा असर पाकिस्तान और उसके आका चीन पर पड़ेगा। अवैध आप्रवासन को लेकर अमेरिका की चिंता पर भारत ने कहा कि वह अपने नागरिकों को वापस लेने को तैयार है, बेशक उन्हें ससम्मान वापस भेजा जाए। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने उन मानव तस्करों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाने का वादा किया, जो भारत से लोगों को बरगला या बहला कर दूसरे देशों में ले जाते हैं। मुंबई टेरर अटैक के एक साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का राष्ट्रपति ट्रंप ने वहीं ऐलान भी कर दिया।

फागुनी गीतों का लोक उत्सव हमारे जीवन की नूतनता उल्लास का प्रतीक

गांव चौपाल में फगुआ का लोक रंग सहेजे रखना जरूरी : अशोक सिंह 'बेशरम'

भारत में उत्सव और अपनी माटी के गीत एक दूसरे के पर्याय रहे हैं।शायद ही कोई देश हो जहां समय परंपरा और त्योहारों के हिसाब से गीत और संगीत का सृजन किया जाता हो। कजरी हो,होली हो,नवरात्र हो वसंत या फिर अन्य त्योहारों का उत्सव,हर एक के हिसाब से हमारे लोकगीतों की अपनी एक विरासत और सनातन परंपरा भी रही है। आधुनिकता के चकाचौंध और आज के बदलते दौर में अपने इन गीतों का सिलसिला कहीं थम सा गया है,या इसके स्वरूप में विकृतियां आ रही हैं।होली गीतों की अपनी लोकपरंपरा और उस पर आसन्न सांस्कृतिक संकट से दूर अपने गुम हो रहे फागुनी गीतों को गांव–चौपाल में गुलजार करने की जरूरत है।इसके लिए हमारे लोक कलाकारों को चाहिए कि अपनी माटी के ऐसे गीतों का लोक रंग सहेज कर रखें।

अपनी मनोहर और अरुण छवि के साथ ऋतुराज वसंत एक बार फिर प्रकृति के पोर–पोर में दस्तक दे चुका है।एक ओर मादक गंध से अनुरंजित वन,बाग,खेत सिवान तो दूसरी ओर प्रीति रीति और अनुहार मनुहार के परस्पर अनुबंध भी मधुमास की नूतन सर्जना के साथ फागुनी माहौल में जीवन्त हो उठे हैं।घर–घर,आंगन आंगन की देहरी पर खड़ी प्रणय प्रेम की परिकल्पनाएं भी मौसम की रंगोली के साथ सरकार हो उठीं तो वहीं गदराई बालियों एवं पुष्पों का आलिंगन करती तितलियों ने भंवरों को नेह निमंत्रण दे वसंत की सनातनी परंपरा को अनुरंजित किया। प्रेम सौहार्द,हास परिहास,हंसी ठिठोली को इसी वसंत और होली ने समय समाज को तार–तार जोड़ते हुए उल्लास को नए अर्थ दिए।धीरे–धीरे गहराते जा रहे वसंती रंग में,संत महंत दिग्दिगंत भी उन्मुक्त और हर्षित भाव से विभोर हुए तो वहीं मादक सुगंध का मौन आमंत्रण पाकर अज्ञातवास के उपसंहार पर बैठी कोयल भी थिरक उठी।दूसरी ओर राग रंग के तार तार झंकृत हुए तो मदमस्त किसानों के कंठ से फूटा फाल्गुनी गीतों का सिलसिला आरंभ हुआ.....

बहेली बसंती उड़ावे गर्दी,सखी देहिया भइल बा पियर हरदी।यहीं से आरंभ हुआ गीतों का यह सिलसिला कोस कोस पर बानी और चार कोस पर बानी के अनुरूप ढोलक,

मजीरे के साथ गांव की चौपारों और गलियों में गूंजता रहा।कुमकुम केसर की गंध से तन मन यूं छुआ की बूढ़े बाबा भी फागुन में देवर से दिखने लगे –फागुन में बाबा देवर लागें जैसे लोकोक्तियों की परंपरा भी जीवंत होती रही। गंवई विमर्शों को नई परिभाषा और आशा देते इन्हीं गीतों में प्रियतम के पास की आस लगाए विरहिणी की मनोस्थिति इस धमार गीत में व्याख्याइत हुई...

अमवा में बौरा आए सखी,परदेसी बलमुआ ना आए। फागुनी गीतों की यह परंपरा चल पड़ी– बौरे आम,महुआ गदराए,पापी मदन तन आग लगाये, मोसे रहा न जाए सखी, परदेसी बलमुआ ना आए। इन्हीं गीतों में कहीं प्रेम लपेट अटपटे सुरतानो से होली और हंसी मजाक के रिवाज को भी सोंधी मिठास मिली तो वहीं आलसी पति को आलम बनाकर विछोह स्तर पर कौवे को कोसती प्रेयसी के मन की कसक इस गलियारा गीत में देखते ही बनती है... नगबेसर कागा लइ भागा,मोरा सैंया अभागा ना जागा।उड़ि–उड़ि कागा झुलनिया पे बैठा, झुलनी के रसवा लइ भागा...मोरा सैंया अभागा ना जागा।

फागुनी गीतों की यह परंपरा आरंभ में सुमिरन या उठान से शुरू होती थी।जहां चौपाल में सबसे पहले देवी देवताओं,

डीह ,डिहवारों का सुमिरन करते थे...

भजि लो मन राम,जात चला दिन धोखे में। भवसागर एक नदिया हो,बहइ अगम अपार ,राम नाम के नौका,भजि उतरौ पार, जात चला दिन धोखे में... जैसे गीत बहुत प्रचलित रहे।अपने यह फाल्गुनी गीत हमारी सामाजिक संस्कृति और परस्पर संबंधों के भी संवाहक माने गए।ठेठ बोली की अंतरंगता भी अपने होली गीतों में आरक्षित हो झलकती रही। रजऊ,बालम,करेजऊ,

पियऊ, गोरी, मलिकानी,रनिया, धनिया ,दिलजनिया मुंडेरी,कथरी,कागा,

कोठा अटारी, कजरौटा बुकनी,उबटन, चुनरी,पियरी, छैला जैसे बोली बानी का मनहर रंग पूरी गहबरता के साथ अपने ग्राम जीवन और उसकी जीवंतता के प्रमाण रहे।अपने इन्हीं मौसमी गीतों में यह फगुआ गीत भी बहुत चर्चित रहे....

चला चली अटरिया धाई पिया,बरसै लागी कारी बादरिया। या लरिकैयां हमार,जीनि जा बलम परदेसवा। या फिर, लटियाई गईं केस, राजा ककैया मंगाइ दा।गोलरैया मटर लइ आया बाबा,मिलि पीसइं ननद भौजैया ...

जैसे फगुआ गीत काफी प्रचलित हुये।

फागुनी मौसम में बसंती से शुरू होकर लगभग 16 प्रकार के गीतों की परंपरा रही। जिसमें प्रमुख रूप से –नारदी,फगुआ,कबीरा,

गुलियारा, उलारा,धमार, बेलवरिया,झूमर, बेलवार, बैसवारा,चहका, बारहमासा,डेढ़ ताल,ढाई ताल,चौंताल,चौता और चौती जैसे गीत हमारी फागुनी विरासत रहे।

तन मारत मदन दरेरा,पिया रहिगा फागुन दिन थोरा, गवन लइ जा मोरा....जैसे डेढ़ ताल गीत समाज में प्रचलित रहे।

पिया का हो तकसीर हमारी,तजेउ हो बनवारी .. ।इन्हीं गीतों में देवर भौजी की नोक झोंक भी प्रतिबिंबित हुई...

अंगनैया में नीमा लगवा हो देवरु,घाम लगे डर लागत बा. . जैसे गीतों में फागुन का रंग विविधा के साथ गहराता रहा।

गांवों के मंदिरों और चौपालों में शाम होते ही फगुहारों की बैठकी होती और बच्चे बूढ़े जवान सभी शाम को इकट्ठे होकर ढोलक, हारमोनियम और मजीरे की गूंज के साथ हहारी मारते हुए अपने इन्हीं फागुनी गीतों और अपने लोकोत्सव का लुफ्त उठाते। इन गीतों में पौराणिक और ऐतिहासिक कथाओं के दृष्टांतों को लेकर रचनाकारों ने सामाजिक अनुबंधों को मौसमी रंग दिया। प्रयागराज के जमुनापार में राम अभिलाष, रामलाल,

अवधराज सिंह और गंगापार में अवल मिसिर जैसे लेखकों द्वारा रचित फागुनी गीत पूरे प्रदेश और उसके बाहर भी खूब चर्चित हुए।

फागुन मास की पूर्णिमा के दिन गांव की बागों में या फिर कहीं आसपास लगी होलिका के समीप बड़े चाव से गांव के लोग एकजुट होकर होलिका दहन करते। यहीं कबीरा बोलने की भी परंपरा रही...

अररारा ...सरारारा.. चित्रकूट के घाट पै भै संतन कै भीर।तुलसीदास चंदन घिसैं भाई तिलक देंय रघुवीर..। होलिकादहन के बाद फगुहारों की टोली,ढोलक और मजीरे लेकर गलियारा गाते गांव की गलियों में विचरती। मौसमी धुन से गांव,गलियारे,घर आंगन,गूंज उठते।महिलाएं भी सुबह उठकर पापड़, गुझिया,तरह तरह के व्यंजन और पकवान बनाती। दोपहर होते ही ठंडाई और दूधभंगा की तरंग में मतंग लोग फाल्गुनी गीतों की मस्ती में लोकपर्व होली का उल्लास मनाते।

... होली खेले नंदलाला बिरज में या फिर होली खेलें रघुवीरा अवध में ..जैसे गीत भी बहुत चर्चित रहे ।अपने फागुनी गीतों में धर्म आस्था,माटी परिपाटी,संस्कृति संस्कार सामाजिक विचार और लोकाचार की छवि भी आलोकित होती रही तो दूसरी ओर जीवन का आत्मबोध देते कई चौताल गीतों की परंपरा रही...

क्यों अहंकार करता गवार,दिन चारि के जग महिमाना,अंत तोहि जाना।बलशाली रावण चला गया,कैलाश उठाया था सर पर, जितने आए सब चले गए,ना रहे शिवाजी न अकबर

...जैसे चौंताल गीत बहु प्रचलित रहे।किसान भी अपन खेत खलिहान में व्यस्त होने के बावजूद थकान मिटाने के लिए इन फागुनी गीतों को महीनों आलम्ब बनाते।अपने इन होली गीतों की परंपरा प्रकृति के सापेक्ष हमारी लोक संस्कृति की विरासत बनकर पुरखों के जमाने से गांव–गांव जीवंत रही।

आज वर्तमान की आपाधापी में अब शहराये हुए गांवों , चौपालों में जहां एक ओर इस बैठकी का अभाव दिख रहा है तो वहीं आंगन आंगन खड़ी दीवार,स्वार्थ भूख आपसी ईष्या,डाह के बीच अपना सामाजिक ढांचा भी बदलता जा रहा।वह पुराने फगुहार भी नहीं रहे।तार तार होती होली जैसे लोक उत्सव की परंपरा भी पहले जैसे नहीं दिख रही और फागुनी गीतों का रस रंग भी धीरे–धीरे सिमट रहा है।आधुनिक होली हुड़दंग के दीवाने नई पीढ़ी के कुछ लोग रंग पिचकारी अबीर गुलाल की दुनिया से दूर चेहरों पर पेंट,कालिख लपेटे,कपड़ाफाड़ होली खेलने को आतुर हैं। ऐसे में हमारे लोक कलाकारों और आम जनमानस को चाहिए कि होली और होली गीतों की अपनी यह विरासत,पुरखों की परंपरा का राग रंग फिर से चौपालों में जीवन्त हो।चांद पर पानी की खोज के बाद अपने ,लोक संस्कृति,संस्कार और अपने भीतर के पानी को विविध रंगों में घोलकर एक दूसरे से मिलने मिलने और दिलों का तार जोड़ने वाली इस होली और अपने फगुआ गीतों की पावन परंपरा और पूर्वजों की परिपाटी को जिंदाबाद रहना जरूरी है।

नये दौर के अध्यात्म की तलाश में युवामन

डॉ. संजय वर्मा

अध्येताओं ने किशोर और युवावस्था के दौर की व्याख्या इस रूप में की है कि यह उम्र तीव्र वैचारिक भूख, जीवन के अर्थ व उद्देश्य की खोज और रिश्तों से जुड़ाव की इच्छा की होती है। इस उम्र में वह मानसिक द्वंद्व भी नजर आता है, जिसमें वे यह फैसला नहीं कर पाते हैं कि कोई विचार उनके जीवन के विकास और दिशा को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है। अटकाव और भटकाव के इस दौर में अक्सर ये किशोर और युवा वहां पहुंचने की कोशिश करते हैं जहां उन्हें अपने अंदर उठ रहे सवालों के जवाब मिल सकें। यह अकारण नहीं है कि इस बार प्रयागराज महाकुंभ 2025 में जुटे करोड़ों श्रद्धालुओं में एक बड़ी संख्या उन युवाओं की रही– जिन्हें जेनरेशन जेड कहा जाता है। जेनरेशन जेड में वे लोग आते हैं, जिनका जन्म 1990 और 2010 के बीच हुआ है। इनमें से ज्यादातर छात्र हैं या कुछ ऐसे हैं जिन्होंने कुछ साल पहले कोई नौकरी या कारोबार शुरू किया है। इस पीढ़ी के युवाओं की एक पहचान और है। इसी पीढ़ी ने अपने जवान होने की उम्र में फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप को पैदा होते और इन सोशल मीडिया मंचों को जवान होते हुए देखा है। इस पीढ़ी का महाकुंभ से जुड़ाव इस रूप में भी देखा जा सकता है कि इन युवाओं ने प्रयाग में डुबकी लगाने से पहले गूगल पर महाकुंभ के बारे में सर्च किया। इंस्टाग्राम पर आईआईटियन बाबा और चेहरे–मोहरे की सुंदरता के बल पर वायरल हुई युवती मोनालिसा को देखकर जिज्ञासावश जमघट लगाया। पर क्या उनकी इस जिज्ञासा और संशय की स्थिति को कहीं से भी उस युवा आध्यात्मिकता से जोड़ा जा सकता है– जिसकी इन दिनों महाकुंभ के प्रयोजन से चर्चा छिड़ी हुई है। यात्राओं और होटल आदि की बुकिंग करने वाली वेबसाइट एलएक्सआईगो के आंकड़ों को सही मानें तो इस बार महाकुंभ में 20–25 साल के युवाओं की तादाद 45 या इससे ज्यादा की उम्र वालों की तुलना में काफी ज्यादा रही। बीते एक साल में धार्मिक स्थलों की यात्रा संबंधी बुकिंग में 150 फीसदी इजाफा हुआ है। शायद इसी बदलाव का असर है कि प्रयागराज के साथ–साथ काशी और अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ में उन युवाओं की भागीदारी ज्यादा दिखी जो शायद पहली बार इस तरह की धार्मिक–आध्यात्मिक यात्रा पर निकले हैं। लेकिन क्या उनकी इस यात्रा को आध्यात्मिकता की खोज कहें। या यह सिर्फ छापामार पर्यटन है जिसमें युवा हर दिन कुछ नया खोजने यहां से वहां जाने का उपक्रम करते दिखते हैं। एक बात तो बेखटके कही जा सकती है कि जिस फोमो (थ्व्डव्– फीयर ऑफ मिसिंग आउट यानी कुछ छूट जाने या खो जाने का भय युवाओं को सताने लगा है, धर्मस्थलों की ओर उनकी दौड़ उस डर को कुछ अंशों में अभिव्यक्त करती है। ये युवा सोशल मीडिया पर अपना स्टेटस अपडेट करना चाहते हैं। दिखाना चाहते हैं कि महाकुंभ के दुर्लभ संयोग में संगम स्नान का पुण्य उन्होंने भी अर्जित किया है। कुछ अलग फील करने की चाह (जो कई बार युवाओं को नशे की राह पर ले जाती है) भी एक वजह है जो उन्हें इस आयोजन तक खींच ले गई। लेकिन उनकी उत्सुकता इतनी सतही भी नहीं कही जानी चाहिए। महाकुंभ पहुंचने वाले युवाओं में एक तबका ऐसा भी है जो भक्ति के रंग में रंगा, उत्साह से लबरेज और भारतीय संस्कृति को करीब से जानने–समझने की ललक लेकर वहां पहुंचा।

सालगिरह पर स्वरा ने फहाद को दी मुबारकबाद, बोलीं-`तुमने रोशन की मेरी जिंदगी

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने शादी की दूसरी सालगिरह पर पति फहाद अहमद को मुबारकबाद दी। सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने बताया कि फहाद ने उनकी जिंदगी को रोशन किया और वह उनका सेफ स्पेस हैं। इंस्टाग्राम पर फहाद के साथ खास तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, "हमारे साथ बिताए खुशी और झगड़े वाले समय को, खट्टे–मीठे पलों को दो साल हो गए। फहाद और मैं अपने इस जल्दबाजी में लिए गए फैसले को लेकर बहुत खुश हैं। स्वरा ने फहाद को मुबारकबाद देते हुए कहा कि वह न केवल उनकी सबसे सुरक्षित जगह हैं, बल्कि जिंदगी को रोशन भी किया है। भास्कर ने लिखा, "हैप्पी एनिवर्सरी लव। तुम मेरा सेफ स्पेस हो और तुमने मेरी जिंदगी को रोशन किया है। हाल ही में स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने पति फहाद अहमद को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। अभिनेत्री ने फहाद को 'शहजादा' और 'प्यारा चोर' का नाम दिया था। इंस्टाग्राम पर 12 तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा था, "शहजादे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! हालांकि एक चेतावनी भी है क्योंकि वह हेडफोन, परफ्यूम, टॉयलेटरीज और पत्नी की हर एक अच्छी चीज को चुरा लेता है, वह दिल भी चुरा लेता है।" इसके साथ ही उन्होंने 'भाई' शब्द का भी इस्तेमाल किया। स्वरा ने लिखा, "जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं जान! आपका साल बेहतरीन रहे और हमेशा की तरह भाई का कॉन्फिडेंस बरकरार रहे। स्वरा ने 16 फरवरी 2023 को अपने खास दोस्त फहाद अहमद के साथ कोर्ट मैरिज की थी। एक्ट्रेस से उनकी मुलाकात साल 2020 में एक प्रोटेस्ट के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी। फिर उनका दोस्ती से शुरू हुआ रिश्ता शादी के मुकाम तक पहुंच गया। स्वरा और फहाद को एक बेटी है, जिसका नाम

> स्वरा ने फहाद को मुबारकबाद देते हुए कहा कि वह न केवल उनकी सबसे सुरक्षित जगह हैं, बल्कि जिंदगी को रोशन भी किया है। भास्कर ने लिखा, "हैप्पी एनिवर्सरी लव। तुम मेरा सेफ स्पेस हो और तुमने मेरी जिंदगी को रोशन किया है।

उन्होंने राबिया रखा है। फहाद के बारे में बता दें कि वह राजनीतिक पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। फहाद इसी साल अक्टूबर में समाजवादी पार्टी छोड़कर एनसीपी–एसपी में शामिल हुए थे। वह पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मुंबई के अणुशक्ति नगर सीट से लड़े। कांटे की टक्कर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

मांग में सिंदूर...ना गले में मंगलसूत्र..शादी के बाद पत्नी संग नाइट–आउट पर निकले प्रतीक बब्बर, हाथों में हाथ थामे दिखा कपल

दिवंगत एक्ट्रेस स्मिता पाटिल के बेटे प्रतीक बब्बर ने 14 फरवरी को अपनी गर्लफ्रेंड प्रिया बनर्जी से दूसरी शादी रचाई। कपल की ये शादी मुंबई में उनके घर पर बेहद सादगी से हुई, जहां उनके करीबी और खास लोग ही शामिल हुए। प्रतीक–प्रिया की वेडिंग फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं, जिन पर फैंस खूब प्यार लुटाते नजर आए। वहीं, अब शादी के बाद कपल को पहली बार मुंबई में पब्लिक प्लेस पर स्पॉट किया गया, जिसकी तस्वीरें सामने आई हैं। शादी के दो दिन बाद प्रतीक और प्रिया को नाइट–आउट के दौरान देखा गया, जहां दोनों का कैजुअल लुक देखने को मिला। इस दौरान जहां प्रिया ने व्हाइट टीशर्ट ब्लू जींस के साथ ब्लैक ब्लेजर पहना, जो उनके लुक को सिंपल और एलिगेंट बनाता है। हालांकि, इस दौरान प्रिया के गले में न मंगलसूत्र नजर आया और न ही मांग में सिंदूर दिखा। वहीं, प्रतीक भी ब्लैक टी–शर्ट और डेनिम पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। इस दौरान वह अपनी नई नवेली दुल्हन का हाथ थामे खुली सड़क पर पोज देते दिखे। बता दें, प्रतीक और प्रिया की शादी में केवल प्रिया के परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। हालांकि, इसमें उन्होंने अपने पिता राज बब्बर और भाईयों को भी इन्वाइट नहीं किया था। प्रतीक बब्बर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह बॉलीवुड के एक जाने–माने एक्टर हैं, जिन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। उनमें से सबसे मशहूर फिल्म 'जाने तू या जाने ना' है, जिसमें उन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता।

लेजेंडरी सुपरस्टार जीतेन्द्र को प्रतिष्ठित ज्येष्ठ नागरिक सम्मान से गया नवाजा

बॉलीवुड के आइकॉनिक एक्टर जितेंद्र, जिन्हें प्यार से लेजेंडरी सुपरस्टार कहा जाता है, को हाल ही में खासदार जेष्ठ नागरिक संकुलन महोत्सव में जेष्ठ नागरिक के रूप में सम्मानित किया गया। इस भव्य आयोजन में जितेंद्र के भारतीय सिनेमा में दिए गए योगदान को सेलिब्रेट किया गया। यह महोत्सव उनके शानदार करियर की गवाही देता हैकृएक ऐसे सफर की, जहां वह एक एक्स्ट्रा आर्टिस्ट से शुरू करके इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक बने।इस खास मौके पर भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे। उनके साथ कई खास मेहमानों और गणमान्य व्यक्तियों ने इस समारोह की शोभा बढ़ाई। जितेंद्र के लिए यह पल बेहद खास था, क्योंकि उनका शानदार करियर दशकों से भारतीय सिनेमा की विरासत का हिस्सा रहा है। जितेंद्र, एक ऐसा नाम जो हर घर में पहचाना जाता है, भारतीय सिनेमा में अपने बेहतरीन योगदान के लिए बेहद सम्मानित किए जाते हैं। अपने करियर में उन्होंने 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है, जो बॉलीवुड के एक सुनहरे दौर की पहचान बन चुकी हैं। उनका चार्म, जबरदस्त डांसिंग स्किल्स और यादगार परफॉर्मेंस ने उन्हें लाखों–करोड़ों फैन्स के दिलों में एक खास जगह दिलाई है। कार्यक्रम में मंत्री नितिन गडकरी ने जितेंद्र की जबरदस्त उपलब्धियों की तारीफ की और नई पीढ़ी को प्रेरित करने के उनके लगातार किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। ज्येष्ठ नागरिक सम्मान उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने समाज में अपनी अमिट छाप छोड़ी हो। जितेंद्र ने फिल्म इंडस्ट्री में जो पहचान बनाई है, वो किसी से छुपी नहीं है। ऐसे में ये सम्मान उनके कद और उनकी मेहनत को और भी खास बना देता है। जितेंद्र ने अपने पहले के दोनों को याद करते हुए कहा है, ष्मैं पूरे 18 साल गिरगांव की चॉल में रहा। वहां की छोटी–सी दुनिया में इतना प्यार मिला कि आज भी वो यादें दिल में बसी हैं। अब मैं 83 साल का हो गया हूँ, लेकिन अगर मुझसे पूछा जाए कि मेरी जिंदगी का सबसे सुनहरा दौर कौन–सा था, तो मैं बिना सोचे कहूंगाकृवो चॉल वाले दिन। मैं एक एक्स्ट्रा एक्टर था, जूनियर आर्टिस्ट था, और मेरा पहला ब्रेक भी मुझे इसी वजह से मिला क्योंकि शांता राव बाप को ये मजेदार लगा कि एक पंजाबी लड़का इतनी साफ मराठी कैसे बोल सकता है! असल में, मैं सिर्फ 15 दिन का था जब मेरी माँ मुझे बॉम्बे, गिरगांव लेकर आई थीं, और 18 साल तक वहीं पला–बढ़ा। सच कहूं तो मैं किसी भी चीज से ज़्यादा महाराष्ट्रियन हूँ। आज ये सम्मान पाकर दिल भर आया है। आप सबका दिल से शुक्रिया। ये सम्मान सिर्फ जीतेन्द्र के एक्टर होने का नहीं, बल्कि उस आइकॉन का है जिसने पीढ़ियों तक लोगों को एंटरटेन किया और इंस्पायर किया। 'लेजेंडरी सुपरस्टार' का टैग सिर्फ नाम भर का नहीं है, बल्कि उनकी सालों की मेहनत और टैलेंट का नतीजा है। उनकी फिल्में, उनका डांस, उनकी स्टाइलकृसबकुछ आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। ये अवॉर्ड बस एक और मोहर लगा देता है कि जीतेन्द्र का नाम और उनका जलवा हमेशा बरकरार रहेगा!

शिवलिंग से लिपटे दिखे अक्षय कुमार, महाशिवरात्रि से पहले रिलीज होगा 'महाकाल चलो' सॉन्ग

बॉलीवुड के खिलाड़ी अभिनेता अक्षय कुमार जल्द ही महाकाल की भक्ति में डूबे नजर आने वाले हैं। महाशिवरात्रि से पहले उनका 'महाकाल चलो' नाम का गाना रिलीज होने वाला है। इसकी जानकारी खुद अभिनेता ने दी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी घोषणा की है।

शिवभक्त के रूप में दिखे अक्षय

अभिनेता द्वारा शेयर किए गए पोस्टर में वह शिवभक्त के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में अक्षय ने शिवलिंग को पकड़ रखा है और महादेव की भक्ति में डूबे हुए नजर आ रहे हैं। अक्षय ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, नमः शिवाय! महाकाल की शक्ति और भक्ति का अनुभव करें कल... महादेव को मेरी ओर से एक छोटी सी स्तुति, महाकाल चलो कल रिलीज हो रहा है।

अक्षय ने गाया है गीत

महाकाल को समर्पित यह गीत अक्षय कुमार, पलाश सेन और विक्रम मोंट्रो ने गाया है। इसका म्यूजिक विक्रम मोंट्रोजृ ने दिया है और इसके बोल शेखर अस्तित्व ने लिखे हैं। गानेग का निर्देशन गणेश आचार्य ने किया है। अक्षय कुमार का यह गाना शिवरात्रि के अवसर पर रिलीज हो रहा है और उनके फैंस इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। महाकाल को समर्पित अभिनेता का यह गाना 18 फरवरी को रिलीज किया जाएगा।

अक्षय कुमार का वर्क फ्रंट

अक्षय कुमार को हाल ही में 'स्काई फोर्स' में देखा गया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके पहले अभिनेता को 'सिंघम अगेन' में देखा गया था। अभिनेता के आगामी कार्यों की बात करें तो उनके पास साउथ की फिल्म 'कन्नप्पा', 'जॉली एलएलबी 3', 'वेलकम टू द जंगल' और 'भूत बंगला' है।

'हमने 9 महीने तक बात नहीं की थी', सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर रश्मि देसाई ने किए कई खुलासे

टीवी की तपस्या से पहचान पाने वाली अभिनेत्री रश्मि देसाई ने भारती सिंह के पॉडकास्ट में अपने करियर और सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बहुत सी बातें की हैं। उन्होंने कहा कि रश्मि और सिद्धार्थ ने करीब 9 महीने तक एक दूसरे से बात तक नहीं की थी।

सिद्धार्थ शुक्ला के लिए कही बात

रश्मि देसाई ने सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बात की। भारती सिंह के पॉडकास्ट में रश्मि ने कहा कि हमारी अलग तरह की चीजें लोगों ने देखी बिग बॉस में। वो भी अच्छा था, मैं भी लोगों की मदद करती थी लेकिन जो कड़वाहट हमारे बीच आ गई थी, उस कारण ही ये सब हुआ। रश्मि देसाई ने कहा कि दिल से दिल तक हमारे बीच बात ही नहीं होती थी। हमारे काम के बीच ये तकरार कभी नहीं आई। वो जितना अच्छा इंसान था, दिल का भी उतना ही अच्छा था। साल 2018 में मेरा समय ठीक नहीं था, मैंने कई सारी चीजें इस दौरान सीखीं। रश्मि ने कहा कि हमनें काम के दौरान करीब 9 महीने तक बात की है।

बिग बॉस को लेकर कही ये बात

बिग बॉस 13 को लेकर भी रश्मि देसाई ने बात की। उन्होंने कहा कि ये शो मैंने सिर्फ पैसों के लिए किया था। मुझे उन दिनों पैसों की बहुत जरूरत थी। रश्मि ने कहा वो पांच महीने हमारे लिए ऐसे थे, जिसे हम आज तक नहीं भुला पाए हैं। रश्मि देसाई ने कहा कि बिग बॉस के दौरान वे जीवन में भी बहुत कठिन परिस्थिति से गुजर रही थीं। मुझे लगता है कि बिग बॉस करना मेरे जीवन का सबसे अच्छा निर्णय रहा।

काम को लेकर बोलीं रश्मि देसाई

रश्मि देसाई ने कहा कि मुझे अच्छा काम करना है। मैं ऐसा काम करना चाहती हूं, जिससे मुझे चौलेंज मिले। रश्मि देसाई ने कहा कि मैं घूमना चाहती हूं। मैं रोड ट्रिप करना चाहती हूं। रश्मि ने कहा कि मुझे ब्रांड्स का कुछ खास शौक नहीं है लेकिन फिर भी मैं कुछ खर्च करना चाहती हूं। इन सबके बीच खुद को समय देना चाहूंगी।

वेब सीरीज और बड़े पर्दे का सफर

रश्मि देसाई ने साल 2021 में ओटीटी पर भी डेब्यू किया। अभिनेत्री रश्मि देसाई तंदूर (2021), रात्रि के यात्री (2022), एलएलबी (2023), वूमनिया (2024), हिसाब बराबर (2025) जैसी ओटीटी सीरीज में नजर आ चुकी हैं। रश्मि देसाई ओटीटी और टीवी के अलावा बॉलीवुड फिल्मों में भी देखा जा चुका है। वह दबंग 2, सुपरस्टार जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

क्या आप लड्डू गोपाल को स्नान कराते वक्त ये गलती तो नहीं कर रहे? जानें सही तरीका

लड्डू गोपाल की पूजा में विशेष आस्था और श्रद्धा होती है, और उनकी सेवा सही तरीके से करने से भगवान की कृपा हमेशा बनी रहती है। भारतीय परंपरा में यह माना जाता है कि लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि वे प्रसन्न हों और घर में सुख–समृद्धि का वास हो। जानिए, लड्डू गोपाल को स्नान कराते वक्त अपनाए जाने वाले कुछ विशेष तरीके–

शुद्ध और ताजे जल का उपयोग

लड्डू गोपाल को स्नान कराते वक्त हमेशा शुद्ध और ताजे जल का उपयोग करें। इस पानी से स्नान कराना उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है।

चरणामृत का सही उपयोग

स्नान के बाद जो जल बचता है, उसे चरणामृत कहा जाता है। इसे फेंकना नहीं चाहिए। इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करें और दूसरों में वितरित करें। यह कार्य आपको पुण्य दिलाएगा।

हथेली से चरणामृत पिएं

चरणामृत को चम्मच या गिलास से पीने की बजाय अपनी हथेली में लेकर पीना चाहिए। यह विशेष रूप से लड्डू गोपाल के प्रति श्रद्धा और सम्मान को दर्शाता है।

पंचामृत का प्रयोग

लड्डू गोपाल को रोज पंचामृत से स्नान कराना चाहिए। पंचामृत में दूध, दही, शहद, घी और चीनी शामिल होते हैं, जो भगवान के स्नान के लिए विशेष रूप से उपयुक्त माने जाते हैं। इन पदार्थों को ताजे और शुद्ध रूप में इस्तेमाल करें।

ताजे दूध और दही का उपयोग

पंचामृत तैयार करते समय बासी दही या पुराना दही न इस्तेमाल करें। दूध ताजे और पके हुए होने चाहिए ताकि यह शुद्धता को दर्शाए।

स्नान करते समय खड़े न हों

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय खड़ा न होकर एक आसन पर बैठकर स्नान कराएं। इस कार्य से भगवान के प्रति सम्मान और विनम्रता का संदेश मिलता है।

पंचामृत और चरणामृत का निपटारा

स्नान के बाद बचे हुए पंचामृत और चरणामृत को फेंकने की बजाय इसे प्रसाद के रूप में वितरित करें। यह बहुत ही शुभ माना जाता है।अगर पंचामृत या चरणामृत अधिक बच जाए, तो इसे गाय या बछड़े को पिलाएं। अगर गाय न हो तो इसे पीपल या बरगद जैसे पवित्र पेड़ की जड़ में डाल सकते हैं, जो इसे धार्मिक रूप से शुभ मानते हैं।

दूसरे जानवरों को न दें

पंचामृत या चरणामृत को किसी अन्य जानवर को नहीं देना चाहिए, क्योंकि यह विशेष रूप से लड्डू गोपाल के साथ जुड़ा होता है और इनका प्रसाद केवल आपको और आपके परिवार को ही लाभकारी होता है।

इन नियमों का पालन करके आप लड्डू गोपाल की पूजा को और भी प्रभावशाली बना सकते हैं, और भगवान की कृपा अपने जीवन में साकार कर सकते हैं।

बच्चों का रुम साफ करना लगता है मुश्किल काम तो आजमाएं ये 5 तरीके

बच्चे अपना ज्यादातर समय कमरे में ही बिताते हैं। खेलने से लेकर पढ़ना, सोना जैसे हर कम ज्यादातर बच्चे अपने कमरे में ही करते हैं। इन सबके चलते बच्चों का कमरा गंदा होने लगता है। कई बार बच्चों के कमरे की सफाई करना पेरेंट्स को बहुत बुरा लगता है। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे आसान से टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप फटाफट से बच्चों का कमरा साफ कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

कमरे में रखें कम सामान

बच्चे एक समय पर कुछ ही या फिर अपने मनपसंदीदा खिलौनों के साथ खेलते हैं। ऐसे में उनके पुराने खिलौने इधर–उधर पड़े रहते हैं जिसके कारण कमरा गंदा दिखने लगता है। बच्चों के कमरे को साफ करने के लिए आप उनके पुराने खिलौनों को स्टोर रुम में रखें। इससे बच्चों के कमरे में अनचाही चीजें नहीं होंगी और सामान भी कम बिखरेगा। ऐसे में आप बच्चों को कमरा आसानी से ऑर्गेनाइज करके रख सकते हैं।

ब्लैकबॉर्ड लगाएं

छोटे बच्चों को कमरे की दीवारों पर ड्राइंग बनाना अच्छा लगता है। इसके चलते वह कमरे की दीवारों पर ही ड्राइंग करनी शुरु कर देते हैं जिसके कारण यह गंदी हो जाती है। दीवारों को साफ करने के लिए बहुत साफ करने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में आप उनके कमरे में एक ब्लैकबॉर्ड लगा दें। ऐसे में बच्चे उसी पर ड्राइंग करेंगे और दीवारें भी गंदी नहीं होगी।

टॉय बॉस्केट रख दें

बच्चों के खिलौने रखने के लिए पेरेंट्स अक्सर अलमारी लगाते हैं लेकिन छोटे बच्चे अलमारी में खिलौनों को सही तरह से नहीं रख पाते। ऐसे में इस परेशानी को सुलझाते हुए आप बच्चों के कमरे में एक टॉय बॉस्केट रख दें। इससे बच्चों के सभी खिलौनें में बॉस्केट भर देंगे। और कमरे को भी लुक बेहतर दिखने लगेगा।

बच्चों की लें मदद

बच्चों का कमरा साफ करते हुए आप उनकी हेल्प ले सकते हैं। इससे बच्चे भी चीजों को सही जगह पर रखना सीखेंगे। खुद सफाई करने के बाद बच्चे खिनौ भी कम बिखेरेंगे और ज्यादा से ज्यादा अपने कमरे को साफ रखने की कोशिश करेंगे। कमरे को साफ सुथरा रखना धीरे–धीरे बच्चों की आदत बन जाएगी।

इस तरह से रखें कपड़ें

पेरेंट्स बच्चों के कपड़े की अलमारी को भी पूरी तरह से अरेंज करके रखते हैं। लेकिन बच्चे एक कपड़ा निकालने के साथ सारे कपड़ों को ही बिखेर देते हैं। ऐसे में बच्चों को डेली वियर ड्रेसेज को एक जगह रखें और पार्टी वियर व ओकेजनल ड्रेसेज को अलग जगह रखें। इससे बच्चे कपड़े निकालते हुए उन्हें बिखार भी नहीं पाएंगे। इसके अलावा आप चाहें तो कपड़ों को हैंगर में भी टांग सकते हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए वरदान है अमरुद, जान लें ये भी फायदे

मौसम में बदलाव होना शुरु हो गया है। बदलते मौसम का असर सबसे पहले स्वास्थ्य पर पड़ता है। इस मौसम में सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी समस्याएं होने लगती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो तापमान गिरने के कारण शरीर भी शुष्क रहता है जिसके कारण प्यास भी कम लगती है। हालांकि कम पानी पीने के कारण शरीर में पानी की कमी होने लगती है। इस मौसम में स्वस्थ रहने के लिए मौसमी फलों का सेवन करें। इस मौसम में ऐसे कई फल आते हैं जिनमें पानी काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है उन्हीं फलों में से एक है अमरुद। अमरुद स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। तो चलिए इस आर्टिकल के जरिए आपको बताते हैं कि इसका सेवन करने से क्या–क्या स्वास्थ्य लाभ होंगे।

डायबिटीज रोगियों के लिए लाभकारी

अमरुद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से शुगर नहीं बढ़ती। अमरुद में फाइबर भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे लोग इसका सेवन कर सकते हैं। हालांकि इसका सेवन कितनी मात्रा में करना चाहिए इस बारे में एक बार डॉक्टर की सलाह ले लें।

वजन रहेगा कंट्रोल

यदि आप बढ़ते वजन से परेशान है और इसे कंट्रोल में करना चाहते हैं तो अमरुद को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। अमरुद का सेवन करने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल में किया जा सकता है। इसमें डाइटरी फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। अमरुद का सेवन करने से मेटाबॉल्जिम बूस्ट होता है। इसके अलावा क्रेविंग की समस्या से भी राहत मिलती है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

बदलते मौसम में इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण भी शरीर स्वास्थ्य समस्याओं से घिरने लगता है। ऐसे में विटामिन–सी युक्त फूड्स यानी की अमरुद को अपनी डाइट में शामिल करके आप इम्यूनिटी को मजबूत बना सकते हैं। अमरुद का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत बनती है।

कब्ज में मिलेगा आराम

खराब लाइफस्टाइल, गलत खानपान के कारण भी कब्ज की समस्या होने लगती है। ऐसे में यदि आप भी कब्ज से जूझ रहे हैं और इससे राहत पाना चाहते हैं तो रोजाना अमरूद का सेवन करें। इस मौसम में अमरूद खाने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है। इसमें डाइटरी फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। इसलिए डॉक्टर रोजाना सुबह अमरूद खाने की सलाह देते हैं ।

तनाव होगा दूर

अमरूद में मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से तनाव दूर होता है। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो मैग्नीशियम तनाव दूर करने में मदद करता है।

त्वचा पर नहीं दिखेगा असर

अमरुद में हाई एंटीऑक्सीडेंट्स प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं। ऐसे में यह शरीर को ऑक्सीडेशन की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद करता है। अमरुद का सेवन करने से त्वचा पर बढ़ती उम्र का असर कम होता है और आप सालों तक जवां दिखती हैं।

बोरिंग खाने को टेस्टी बनाने के लिए करें इस पाउडर का इस्तेमाल, उंगलियां चाट जाएंगे मेहमान

केला को पोटेशियम का पावरहाउस कहा जाता है। साथ ही यह स्वास्थ्य के लिए भी बेहद अच्छा माना जाता है। इसलिए डाइट में केला शामिल करने की सलाह दी जाती है। हांलाकि यह जरूरी नहीं है कि आप इसका सिर्फ एक तरह से सेवन करें। आप चाहें तो केला का सेवन आप कई तरीके से कर सकती हैं। लेकिन क्या आपने कभी कच्चे केले का उपयोग किया है। अगर आपका जवाब नहीं है, तो बता दें कि कच्चे केले में विटामिन सी, फाइबर, विटामिन ए, फास्फोरस, पोटेशियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह खाने के स्वाद को बढ़ाता है। ऐसे में तमाम पोषक तत्वों से भरपूर इस फल का रोजाना सेवन करने से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है। हांलाकि कच्चे केले का स्वाद हर किसी को पसंद नहीं आता है। ऐसे में आप पाउडर के रूप में भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। कच्चे केले का पाउडर सेहत के लिए फायदेमंद होता है और खाने के स्वाद को भी दोगुना कर देता है। बशर्ते आपको इसके इस्तेमाल का सही तरीका पता हो। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप कच्चे केले का पाउडर बनाकर इसको उपयोग में ला सकते हैं।

कच्चे केले का इस्तेमाल

बता दें कि कुकिंग में कच्चे केले का बहुत आसानी से इस्तेमाल किया जाता है। हांलाकि इसको इस्तेमाल करने का तरीका अलग–अलग हो सकता है। जैसे कुछ लोग कच्चे केले का पाउडर बनाकर इसको उपयोग में लाते हैं, तो कोई कच्चे केले को सुखाकर इसको उपयोग में लाता है। डिश के आधार पर भी आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। सब्जी में कच्चे केले के पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है।

ऐसे बनाएं कच्चे केले का पाउडर

सामग्री

कच्चे केले– 4

नमक– स्वादानुसार

विधि

कच्चे केले का पाउडर बनाने के लिए केले को छीलकर पानी में डाल दें। फिर पानी से सारे केले बाहर निकाल लें। अब इनको चिप्स की साइज में पतले–पतले काट लें। यह काले न पड़ें इसलिए इनको पानी में भिगोकर रखें। पानी से सब केले निकालकर इनको सूखे कपड़े पर टुकड़ों में फैलाकर 2–3 दिन सूखने के लिए डाल दें। जब यह पूरी तरह से सूख जाएं, तो इनको मिक्सर के जार में पीस लें। इसको महीन करने के लिए 2–3 बार पीसना पड़ सकता है। फिर इसमें स्वादानुसार नमक मिक्स करें और इसको छान लें। जो मोटा दाना बच जाए उसको दोबारा पीस लें। इस तरह से कच्चे केले का पाउडर बनकर तैयार हो जाएगा। ध्यान रखें कि इसमें एक भी बूंद पानी नहीं होना चाहिए।

कबाब को करेगा नरम

अगर आपको भी नॉनवेज खाना पसंद है, तो कच्चे केले का इस्तेमाल कबाब, कीमा या मांस को पकाने के लिए किया जा सकता है। कच्चे केले का पाउडर मांस को नरम करने में सहायक होता है। साथ ही इसको मांस में डालने के बाद जब आप कबाब बनाते हैं तो यह स्वाद भी बढ़ाता है। आमतौर पर यह टिप्स काफी ज्यादा फेमस है और ज्यादातर भारतीय घरों में अपनाई जाती है। इसके लिए 1 किलो कीमा में 50 ग्राम कच्चा केला डालकर इसको पीसना है।

वेज डिशेज

कच्चे केले या इसके पाउडर से आप कई तरह की डिशेज बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसके द्वारा बनाई गई डिशेज काफी ज्यादा स्वादिष्ट होने के साथ ही यह स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती है। आप इसकी मदद से करी, कोफ्ता, पूड़ी या फिर केले का रायता बनाकर तैयार कर सकती हैं। अगर आप स्नैक्स के तौर पर इसका सेवन करना चाहती हैं, तो कच्चे केले के पकौड़े आपके लिए बेहतर ऑप्शन साबित हो सकते हैं। पकौड़े का मिश्रण बनाने के लिए भी आप केले के पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इस बात का रखें खास ख्याल

आपको बता दें कि कच्चा केला पीसने के दौरान कुछ मोटे–मोटे टुकड़े निकल सकते हैं, जो मिक्सर में नहीं पिस पाते हैं। ऐसे में आप इन टुकड़ों का इस्तेमाल सब्जी बनाने में कर सकती हैं। वहीं इन टुकड़ों को एक कप पानी में भिगोकर इसकी चटनी भी बना सकते हैं।

संक्षिप्त

मध्य प्रदेश : वैश्विक निवेशक सम्मेलन में स्थानीय स्वाद जोड़ने के लिए दिखाएंगे उत्पाद निर्माण प्रक्रिया

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए जिला स्तर पर बने उत्पादों, विशेषकर हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों को वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएस) में प्रदर्शित किया जाएगा। 'इन्वेस्ट मध्य प्रदेश – वैश्विक निवेशक सम्मेलन' भोपाल में 24 और 25 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, "कारीगरों और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सम्मेलन में 'एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) एक्सपो जोन' के माध्यम से प्रयास किए जाएंगे।" उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओडीओपी पहल के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दे रही है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनी में 38 ओडीओपी उत्पादों के लिए 'लाइव और प्रोसेस' (सजीव और प्रक्रिया) काउंटरों में विभाजित विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कारीगर इन काउंटर पर बाग प्रिंट, जरी जरदोजी, बाटिक प्रिंट, कालीन, चंदेरी साड़ियां, बांस शिल्प, बलुआ पत्थर की वस्तुएं और फैब्रिक जैकेट जैसे प्रमुख उत्पाद बनाने के कौशल का प्रदर्शन करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि आगंतुकों और प्रतिनिधियों को कुशल कारीगरों के मार्गदर्शन में इन उत्पादों को बनाने का अनूठा अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि मानव संग्रहालय में मानव जाति के संग्रहालय में मिट्टी के बर्तनों और धातु शिल्प के लिए लाइव काउंटर भी एक प्रमुख आकर्षण होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में खाद्य, मसाले और फलों से संबंधित 32 ओडीओपी उत्पादों और उनकी उत्पादन प्रक्रिया को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल होंगे। आगंतुक इन उत्पादों को देख सकेंगे, समझ सकेंगे और खरीद सकेंगे। इसके अतिरिक्त, 16 लाइव काउंटरों पर मध्यप्रदेश की पारंपरिक कला और शिल्प का प्रदर्शन किया जाएगा, जहां अतिथि रचनात्मक प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रदर्शनी कारीगरों के लिए व्यापार के नए अवसर खोलेगी और प्रत्येक काउंटर पर आगंतुकों का डेटा एकत्र किया जाएगा, जिससे कारीगरों के लिए नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि डेटा प्रबंधन की जिम्मेदारी भोपाल के प्रतिष्ठित कॉलेजों के छात्रों को सौंपी गई है, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

भारत का कुल व्यापार घाटा बढ़कर डॉलर बढ़कर 2.67 अरब डॉलर हुआ, आयात-निर्यात के आंकड़े जारी

नई दिल्ली। भारत का कुल व्यापार घाटा (माल और सेवाएं) जनवरी 2024 में 0.39 बिलियन अमरीकी डॉलर के मुकाबले जनवरी 2025 में बढ़कर 2.67 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को इससे जुड़े आंकड़े साझा किए। जनवरी 2025 में भारत का कुल निर्यात (माल और

सेवाएं) बढ़कर 74.97 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि जनवरी 2024 में यह आंकड़ा 68.33 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत का कुल आयात (माल और सेवाएं) जनवरी 2025 में बढ़कर 77.64 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि जनवरी 2024 में यह 68.72 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

आयकर राहत का मतलब पूंजीगत व्यय से सरकार का ध्यान हटना नहीं, बोलीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। बजट 2025 में दी गई आयकर में भारी छूट का मतलब यह नहीं है कि सरकार ने पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को यह बात कही। वित्त मंत्री की यह प्रतिक्रिया बजट 2025–26 में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को आयकर के दायरे से बाहर रखने के बाद यह बहस शुरू होने के बाद आई है कि सरकार ने लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी के आंकड़ों में धीमी वृद्धि को देखते हुए खपत को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। मुंबई में हितधारकों के साथ बजट के बाद की बातचीत में, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि पूंजीगत व्यय से ध्यान हटाकर खपत पर जोर दिया गया है, सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत व्यय प्रावधानों में लगातार वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि व्यापक तस्वीर यह है कि कोविड के बाद से सरकार का जोर पूंजीगत संपत्ति बनाने के लिए सार्वजनिक व्यय पर बना हुआ है। इस बार, बजट 2025 में पूंजीगत व्यय पर खर्च का प्रस्ताव 10.2 प्रतिशत अधिक और लगभग 16 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पीएसयू पूंजीगत व्यय भी शामिल है। सरकार ने खुद 2025–26 के लिए 11.21 लाख रुपये का पूंजीगत व्यय बजट में रखा है।

चालू वित्तीय वर्ष में प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान

2024–25 के संशोधित अनुमानों में 13.18 लाख करोड़ के मुकाबले प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ होने का अनुमान है। प्रभावी पूंजीगत व्यय में मुख्य पूंजीगत व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राज्यों को दिया जाने वाला सहायता अनुदान शामिल हैं। हालांकि पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान को बजट में राजस्व व्यय के रूप में शामिल किया जाता है, लेकिन वे राज्यों में पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण पर खर्च होते हैं हैं।

बाबर से ओपनिंग कराने के फैसले से खुश नहीं हैं आमिर-हफीज, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से की अपील

कराची। पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। अब दोनों टीमें चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के शुरुआती मैच में फिर से भिड़ेंगी। इस सीरीज में पाकिस्तान की टीम ओपनिंग की समस्या से जूझती दिखी और चौंपियंस ट्रॉफी से पहले इसको लेकर समस्याएं बढ़ गई हैं। त्रिकोणीय सीरीज में ओपनिंग करते हुए बाबर आजम पूरी तरह फ्लॉप रहे थे। ऐसे में पाकिस्तान के दो दिग्गज क्रिकेटर बाबर के इस रोल से नाराज हैं और उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से अपील की है। 2017 में चौंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तान टीम का हिस्सा रहे मोहम्मद आमिर और मोहम्मद हफीज ने बतौर सलामी बल्लेबाज बाबर आजम की नई भूमिका के बारे में बात की है। दोनों ने पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट के बाबर से ओपनिंग कराने के फैसले की आलोचना की है। चौंपियंस ट्रॉफी के लिए चुनी गई पाकिस्तान टीम से खराब फॉर्म के चलते अब्दुल्ला शफीक को बाहर कर दिया गया था। वहीं, सैम अयूब चोटिल हैं। ऐसे में पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट ने फखर जमां के साथ बाबर को ओपनिंग कराने का सोचा, जो कि फ्लॉप साबित हुआ।

बाबर से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराने की मांग

बाबर त्रिकोणीय सीरीज में अपनी तीनों पारियों में 30 रन का आंकड़ा पार करने में नाकाम रहे हैं। पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें फिर से तीन नंबर पर बल्लेबाजी कराने की मांग की है। त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में वह 10 रन, दूसरे में 23 रन और तीसरे में 29 रन बना सके थे। तीनों ही मैचों में उन्होंने ओपनिंग की थी। पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा है कि बाबर को अपनी मजबूती का उपयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, अगर मुझे नई गेंद से गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला तो मैं अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल नहीं कर पाऊंगा। इसी तरह बाबर की ताकत नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने की है। इस पोजिशन पर वह जानते हैं कि पारी कैसे संवारनी है। टी20 में सलामी बल्लेबाज की भूमिका वनडे और टेस्ट की भूमिका से अलग होती है।' उन्होंने कहा, 'वह चरणों में पारी को संवारना जानते हैं। ओपनिंग करते हुए शुरुआती 10 ओवर में आपको मौका लेना होगा। अगले 10 ओवर में आपको साझेदारी बनानी होती है। बाबर को मिली भूमिका अलग है। बाबर एक बड़े खिलाड़ी हैं, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें नंबर तीन पर खेलना चाहिए था। यही उनकी ताकत है। हां, जब आप फंस जाते हैं, तो आप अलग–अलग चीजों की कोशिश करते हैं। शायद मुझे यहां या वहां से रन लेने चाहिए।

हफीज ने बाबर को लेकर पीसीबी से की अपील

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने तीन ऐसे नामों का जिक्र किया है जिन्हें पाकिस्तान को चुनना चाहिए ताकि बाबर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकें। उन्हंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, श्शान मसूद, इमाम–उल–हक, अब्दुल्ला शफीक। किसी एक को सलामी बल्लेबाज के रूप में लें और बाबर आजम को चौंपियंस ट्रॉफी में नंबर तीन पर खेलने दें। सभी के लिए चीजों को आसान बनाएं।श पाकिस्तान चौम्पियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 19 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा जबकि चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से 23 फरवरी को दुबई में भिड़ेगा। बांग्लादेश के खिलाफ उनका अंतिम ग्रुप गेम 27 फरवरी को है।

बीसीसीआई की सख्ती का हुआ बड़ा असर

बाहर से खाना मंगा कर खा रहे हैं विराट कोहली

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद बीसीसीआई ने 10 सूत्रीय दिशा निर्देश जारी कीए है। बीसीसीआई की नई यात्रा नीति के मुताबिक खिलाड़ियों के परिवार वाले साथ नहीं जाएंगे। नियम के अनुसार दौरे पर परिवार और निजी स्टाफ की मौजूदगी पर पाबंदी रहेगी, जिसके कारण खिलाड़ी अब अन्य विकल्प तलाश रहे हैं। भारतीय टीम पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल ऑफ बोर्ड यानी बीसीसीआई की तरफ से की गई सख्ती धरातल पर दिखने लगी है। दरअसल, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद बीसीसीआई ने 10 सूत्रीय दिशा निर्देश जारी कीए है। बीसीसीआई की नई यात्रा नीति के मुताबिक खिलाड़ियों के परिवार वाले साथ नहीं जाएंगे। नियम के अनुसार दौरे पर परिवार और निजी स्टाफ की मौजूदगी पर पाबंदी रहेगी, जिसके कारण खिलाड़ी अब अन्य विकल्प तलाश रहे हैं। रविवार को प्रैक्टिस सेशन खत्म होने के बाद विराट कोहली के हाथ में पैक्ड खाना देखने को मिला, जिसने सबको चौंका दिया। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुछ खिलाड़ियों के अपने परिवारों के साथ अलग यात्रा करने के बाद ये पाबंदियां लगाई गई। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 1.3 से हार के बाद बीसीसीआी ने सभी खिलाड़ियों को अभ्यास सत्रों के दौरान पूरे समय मौजूद रहने और टीम के साथ ही स्टेडियम जाने और आने के निर्देश दिए। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक विराट कोहली टीम के लोकल मैनेजर से करीब 15 मिनट तक बात करते हुए नजर आए। जब वह टीम बस में जाने के लिए लौटे तो उनके हाथ में खाने का बैग था। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ दुबई में करेगी। जिसके बाद 23 फरवरी को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से सामना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला दो मार्च को खेला जाना है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेलेगी, जबकि बाकी टूर्नामेंट 19 फरवरी से पाकिस्तान के तीन शहर कराची, लाहौर और रावलपिंडी में होगा। वहीं इस टूर्नामेंट का फाइनल 9 मार्च को है लिहाजा ये दौरान तीन हफ्ते से कम समय का ही है जिसमें बीसीसीआई खिलाड़ियों के परिवार को साथ जाने की अनुमति नहीं देगा।

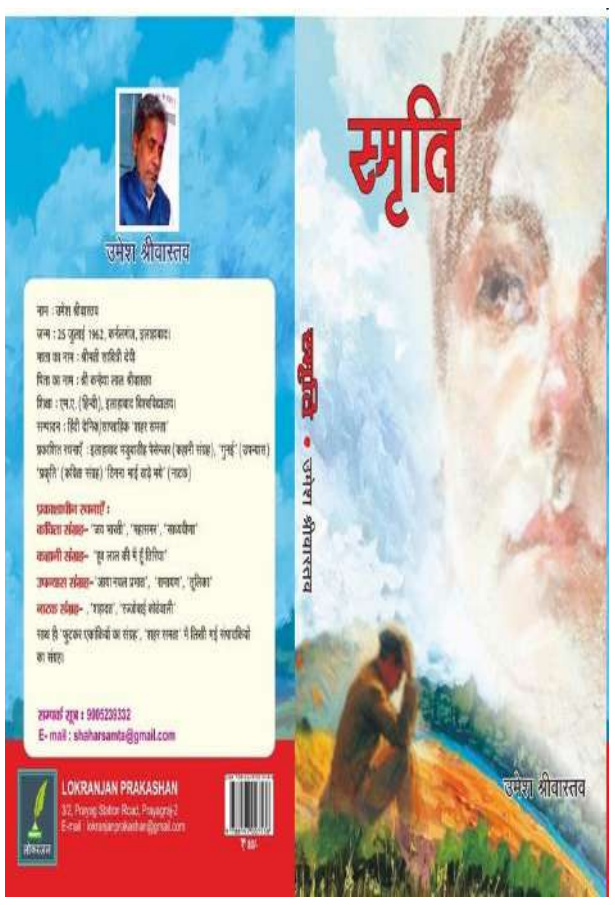

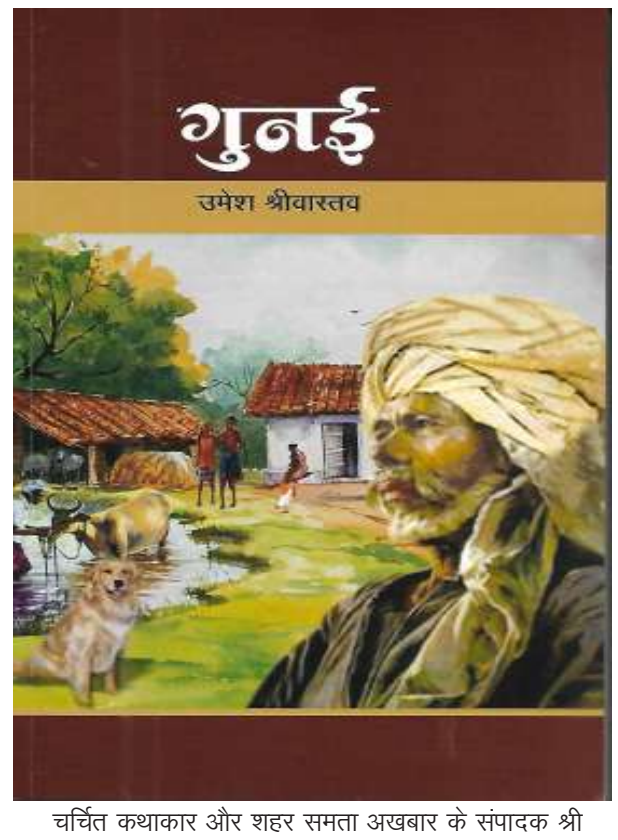

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

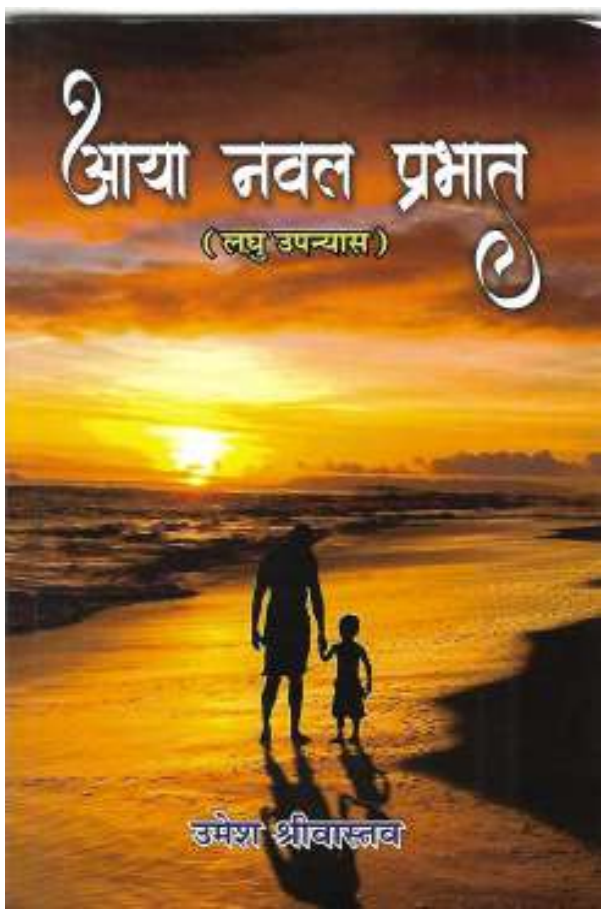

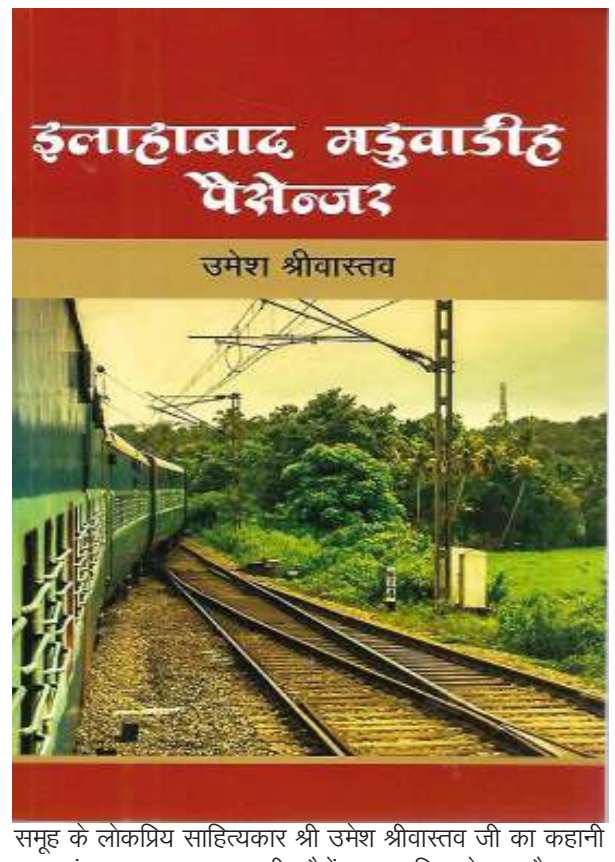

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

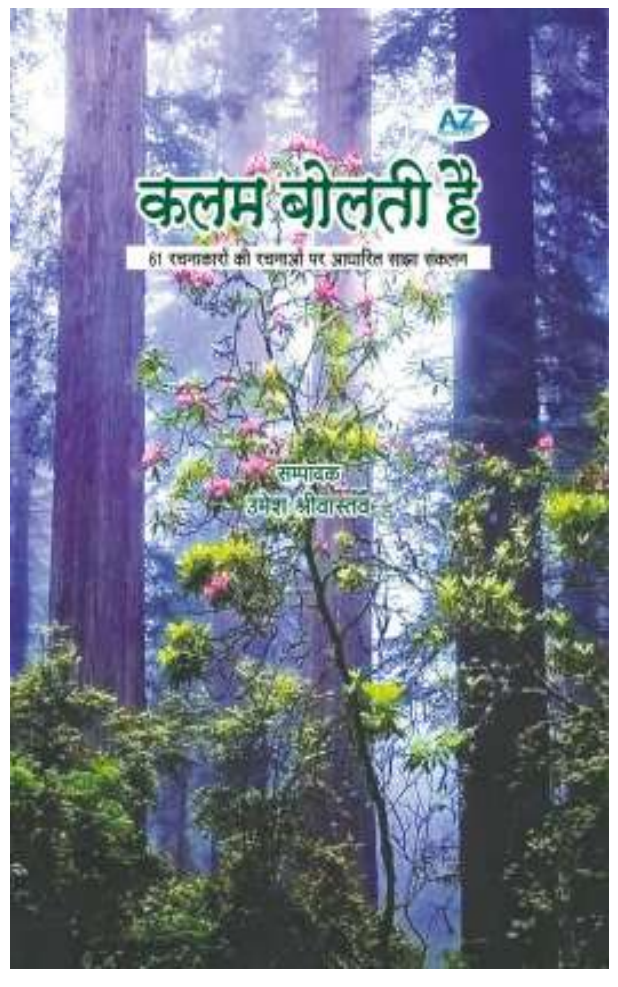

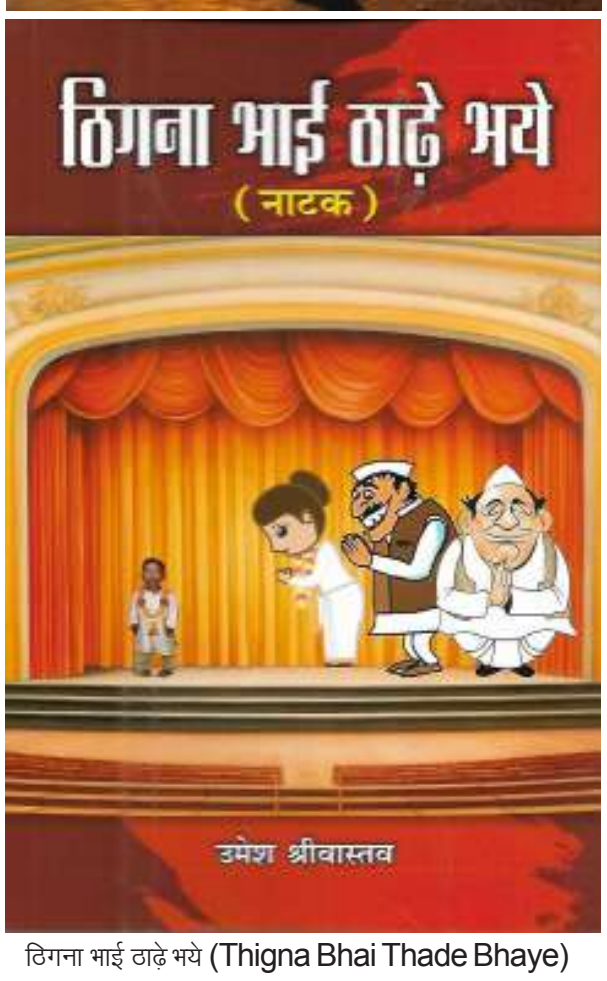

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जयशंकर ने ओमान के अपने समकक्ष के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा सहयोग पर की चर्चा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को ओमानके अपने समकक्ष बद्र अलबुसैदी के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा सुरक्षा में द्विपक्षीय सहयोग पर व्यापक चर्चा की। जयशंकर आठवें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ओमान की राजधानी मस्कट पहुंचे हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज सुबह ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से

मिलकर बहुत खुशी हुई। (मैं) आठवें हिंद महासागर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी करने में उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना करता हूं।'' उन्होंने लिखा, '' व्यापार, निवेश और ऊर्जा पर परस्पर सहयोग पर हमने व्यापक चर्चा की।'' दोनों नेताओं ने राजनयिक संबंधों की 70 वीं वर्षगांठ पर संयुक्त रूप से प्रतीक चिह्न जारी किया। उन्होंने 'मांडवी टू मस्कटरू इंडियन कम्युनिटी एंड शेयर्ड हिस्ट्री ऑफ इंडिया एंड ओमान' नामक एक पुस्तक का भी संयुक्त रूप से विमोचन किया। ओमान सरकार का कहना है कि अगस्त 2024 में उसके देश में रह रहे भारतीयों की संख्या करीब 664,783 है।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाला संदिग्ध 'इस्लामी आतंकवाद' से प्रेरित था : ऑस्ट्रियाई अधिकारी

ऑस्ट्रिया के अधिकारियों का कहना है कि दिनदहाड़े राहगीरों पर चाकू से हमला करने का आरोपी ''इस्लामी आतंकवाद'' से प्रेरित था। इस घटना में 14 वर्षीय लड़के की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए थे। हमले के संदिग्ध 23 वर्षीय सीरियाई व्यक्ति को शनिवार को दक्षिणी शहर विलाच में हमले के बाद गिरफ्तार किया गया था। गृह मंत्री गेरहार्ड कार्नर ने रविवार को कहा कि उन्हें ''इस शहर में निर्दोष लोगों पर चाकू से अंधाधुंध हमला करने वाले एक इस्लामी हमलावर के प्रति गुस्सा है।'' कार्नर ने विलाच में संवाददाताओं से कहा कि हमलावर का आतंकी संगठन 'इस्लामिक स्टेट' से संबंध था और वह ऑनलाइन सामग्री के जरिये बहुत ही कम समय में कट्टरपंथ की तरफ बढ़ा। गवर्नर पीटर कैसर ने 42 वर्षीय एक सीरियाई व्यक्ति का आभार व्यक्त किया, जो एक खाद्य वितरण कंपनी के लिए काम करता है। उन्होंने कहा कि इस सीरियाई व्यक्ति ने संदिग्ध की ओर गाड़ी चलाई तथा स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद की। गवर्नर ने कहा, ''यह दर्शाता है कि आतंकवाद की बुराई के साथ–साथ मानवीय अच्छाई भी एक ही राष्ट्रीयता में कितनी निकटता से जुड़ी हुई है।

रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने कांगो के खनिज समृद्ध पूर्वी क्षेत्र के दूसरे प्रमुख शहर पर कब्जा किया

बुकावु (कांगो),एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने खनिज समृद्ध पूर्वी कांगो के दूसरे प्रमुख शहर पर कब्जा कर लिया है। विद्रोही समूह 'एम23' ने पुष्टि की है कि उसके लड़ाके बुकावु शहर में हैं और कांगो की सेना के शहर से जाने के बाद उन्होंने यहां की सुरक्षा व्यवस्था संभालने का जिम्मा लिया है। 'द कांगो रिवर अलायंस' ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने 13 लाख की आबादी वाले शहर बुकावु में सुरक्षा चुनौतियों को हल करने और ''बुकावु की जनता की

सहायता करने का निर्णय लिया है।'' 'द कांगो रिवर अलायंस' विद्रोही समूहों का संगठन है जिसमें 'एम23' भी शामिल है। संगठन के प्रवक्ता लॉरेंस कान्यूका ने एक बयान में कहा, ''हमारे बल लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं, जिससे पूरी आबादी संतुष्ट है।'' ऐसा प्रतीत होता है कि सरकारी बलों ने विद्रोहियों से कोई खास संघर्ष नहीं किया और यहां एक भी सैनिक मौजूद नहीं है। शनिवार को हजारों नागरिकों के साथ कई सैनिक भागते हुए देखे गए थे। 'एम23' के एक चरमपंथी बर्नार्ड महेशे बयामुंगू ने बुकावु में दक्षिण किवु के गवर्नर कार्यालय के सामने खड़े होकर निवासियों से कहा कि वे ''जंगल'' में रह रहे हैं। उसने कहा,'' हम पुराने शासन की अव्यवस्था को दुरुस्त करने जा रहे हैं। कांगो के संचार मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर एक बयान में पहली बार स्वीकार किया कि बुकावु पर ''कब्जा'' कर लिया गया है और कहा कि सरकार क्षेत्र में व्यवस्थाबहाल करने के हर संभव प्रयास कर रही है।

अमेरिका : कड़ाके की सर्दी के बीच नौ लोगों की मौत

अमेरिका में कड़ाके की सर्दी के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है। मारे गये लोगों में से आठ लोग केंटकी के रहने वाले थे और इनकी मौत भारी बारिश, के कारण नदियों के उफान पर होने और सड़कों पर पानी भर जाने के कारण हुई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक / शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

.919450482227

जेलेंस्की संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे, रुबियो करेंगे अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता की लगातार उठ रही मांग के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रविवार देर रात को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो सऊदी अरब के दौरे पर अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे जो आगामी दिनों में रूसी अधिकारियों के साथ सीधी बातचीत करेगा। अमेरिका के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि रुबियो की इस यात्रा का उद्देश्य यूक्रेन पर रूस के लगभग तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त कराना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह संकेत दिया था कि वह सऊदी अरब में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। अधिकारी ने

नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि रियाद में होने वाली वार्ता में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के भी भाग लेने की उम्मीद है। रुबियो की यह यात्रा पिछले हफ्ते राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद हो रही है। पुतिन के साथ बातचीत में ट्रंप ने कहा था कि वे ''अपनी–अपनी टीम द्वारा तुरंत बातचीत शुरू करने पर सहमत हुए हैं''। ट्रंप की पुतिन के साथ यह बातचीत 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस को अलग थलग करने की अमेरिका की नीति के उलट थी। हालांकि, ट्रंप ने जेलेंस्की से भी अलग से बात की। जेलेंस्की ने कहा था कि वह यूक्रेन के बारे में किसी भी ऐसी बातचीत को स्वीकार नहीं करेंगे जिसमें उनका देश शामिल नहीं हो। यूरोप के देशों की सरकारों ने भी इसमें भूमिका की मांग की है। 'फॉक्स न्यूज चौनल' के ''संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स'' कार्यक्रम में विटकॉफ ने कहा कि वह और वाल्ट्ज ''राष्ट्रपति के निर्देश पर बैठकें करेंगे'' और उन्हें ''रूस–यूक्रेन के संबंध में कुछ अच्छी प्रगति'' की उम्मीद है। इस बीच, जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के बाद जेलेंस्की अबू धाबी पहुंचे। उनके कार्यालय द्वारा जारी फुटेज में रविवार देर रात को हवाई अड्डे पर उन्हें और उनकी पत्नी ओलेना का अमीरात के अधिकारी स्वागत करते दिख रहे हैं। युद्ध शुरू होने के बाद जेलेंस्की की यह यूएई की पहली यात्रा है। जेलेंस्की के कार्यालय ने ऑनलाइन संदेश में कहा, ''हमारी शीर्ष प्राथमिकता हमारे अधिक से अधिक लोगों को कैद से मुक्त कराकर स्वदेश वापस लाना है।'' राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, ''हम निवेश और आर्थिक साझेदारी के साथ–साथ बड़े पैमाने पर मानवीय कार्यक्रम पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।'' हालांकि, संयुक्त अरब अमीरात की सरकारी समाचार एजेंसी 'डब्ल्यूएएम' ने जेलेंस्की के आगमन की तत्काल खबर नहीं दी। संयुक्त अरब अमीरात को लंबे समय से शांति वार्ता के लिए संभावित स्थल के रूप में देखा जाता रहा है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से ही यहां बड़ी संख्या में रूस और यूक्रेन के प्रवासी आ पहुंचे हैं और अमीरात को पूर्व में मध्यस्थता का अनुभव भी है। यूक्रेन की अर्थव्यवस्था मंत्री और प्रथम उप प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेन्कोहैं ने यह स्पष्ट नहीं किया कि जेलेंस्की की यूएई की संभावित यात्रा और पहले से घोषित अमेरिका–रूस वार्ता के बीच कोई संबंध है या नहीं। 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल का ध्यान आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर है क्योंकि यूक्रेन ''क्षेत्र के देशों के साथ महत्वपूर्ण आर्थिक समझौतों पर हस्ताक्षर करने की तैयारी कर रहा है''। उन्होंने जेलेंस्की की यूएई की यात्रा और वहां वह किससे मुलाकात करेंगे, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी। जेलेंस्की के शीर्ष सलाहकार एंड्री यरमक ने रविवार को 'टेलीग्राम' पर पोस्ट कर कहा था कि निकट भविष्य में यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधियों की सीधे मुलाकात की कोई संभावना नहीं है।

1.82 अरब रुपये...ट्रंप के दोस्त ने अब भारत को दिया कौन सा नया झटका?

मोदी के अमेरिका से लौटते ही उठा लिया बड़ा कदम

अमेरिकी सरकार ने भारत को मिलने वाली 1.82 अरब रुपए की मदद पर रोक लगा दी है। ये सहायता राशि भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए दी जा रही थी। लेकिन अब इसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इस फैसले के पीछे अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप सरकार की नीतियां और एलन मस्क के नेतृत्व में चल रहे सरकारी दक्षता विभाग डीओजीई की सख्ती जिम्मेदार मानी जा रही है। डीओजीई ने एक्स पर एक पोस्ट में इसकी घोषणा की। फंड जहां खर्च होता था, उसकी लिस्ट जारी करते हुए डीओजीई ने लिखा कि अमेरिकी करदाताओं का फंड इन कार्यक्रमों पर। खर्च होना था, इन्हें रद्द कर दिया गया है। दुनियाभर के देशों में चुनाव और लोकतंत्र की मजबूती के

लिए 486 मिलियन अमेरिकी डॉलर का फंड बना था, जिसमें से भारत को 21 मिलियन डॉलर मिलते थे। बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता के लिए भी 29 मिलियन डॉलर और नेपाल को 19 मिलियन डॉलर का फंड भी रोका गया है।

भारत की चुनावी प्रक्रिया में यह बाहरी हस्तक्षेप

जिसके बाद से सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिका ये पैसा भारत को क्यों देता था और इस रोक से भारत पर क्या असर पड़ेगा। बीजेपी आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने पूछा कि वोटर्स को मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर ? लाभार्थी कौन था? यह निश्चित रूप से भारत की चुनावी प्रक्रिया में बाहरी हस्तक्षेप है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने जो फंडिंग रद्द की, वह यूपीए सरकार की ओर इशारा करती है। अमेरिका में कुर्सी संभालने के बाद प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) बनाया, जिसकी जिम्मेदारी एलन मस्क को दी। जिन्होंने सरकार के कई गैर जरूरी खर्च की समीक्षा शुरू की। इसी प्रक्रिया में भारत को दी जाने वाली मदद को भी बंद कर दिया गया। अमेरिका में 14 राज्यों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और इलॉन मस्क के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसमें डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियंसी (क्ळम्) के प्रमुख के रूप में मस्क की भूमिका को चुनौती दी गई है। उन पर श्अराजकता का एजेंडा होने का आरोप लगाया गया है। इन राज्यों ने तर्क दिया है कि क्ळम् प्रमुख के रूप में उनके अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान का उल्लंघन है।

यूक्रेन युद्ध पर बातचीत के लिए तैयार हुआ रूस

सऊदी अरब में होगी क्रेमलिन और अमेरिकी अधिकारियों की बैठक

न्यूयॉर्क, एजेंसी। लंबे समय से यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के खत्म होने के आसार नजर आने लगे है। रूस बातचीत के लिए तैयार हो गया है। क्रेमलिन का कहना है कि शीर्ष रूसी अधिकारी मंगलवार को सऊदी अरब में अमेरिका के साथ संबंधों को बहाल करने और यूक्रेन में युद्ध के मुद्दे पर

बातचीत करेंगे।

मंगलवार को अमेरिकी अधिकारियों के साथ मंथन

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव सोमवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद के लिए रवाना होंगे। वहां मंगलवार को अमेरिकी अधिकारियों के साथ वार्ता करेंगे।

यूक्रेन संकट के समाधान पर चर्चा

पेस्कोव ने कहा कि वार्ता का मुख्य उद्देश्य श्रूस–अमेरिका संबंधों के संपूर्ण ढांचे को बहाल करनाश है। इसके साथ ही यूक्रेन संकट के समाधान पर चर्चा और दोनों राष्ट्रपतियों की संभावित बैठक को लेकर विचार–विमर्श किया जाएगा।इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि वे और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत के लिए सऊदी अरब जाएंगे।

सऊदी अरब जा रहे हैं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी अरब जा रहे हैं, जहां वे रूसी अधिकारियों के साथ सीधी वार्ता करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक समाधान तलाशना है। रूस और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और यूक्रेन युद्ध के बीच यह वार्ता वैश्विक राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है।

हमास का सफाया किया जाना चाहिए, गाजा में अस्थिर युद्धविराम पर संदेह और बढ़ा : रुबियो

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा पट्टी में इजराइल के युद्ध उद्देश्यों का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि हमास को 'खत्म किया जाना चाहिए' क्योंकि इसने अस्थिर युद्धविराम के भविष्य पर संदेह खड़ा कर दिया है। रुबियो ने क्षेत्रीय दौरे की शुरुआत में यरुशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की, जहां उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पट्टी से फलस्तीनी आबादी को स्थानांतरित करने और अमेरिकी स्वामित्व के तहत इसे पुनर्विकसित करने के प्रस्ताव पर अरब नेताओं से प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और कहा कि गाजा के भविष्य के लिए उनके व ट्रंप के पास एक 'साझा रणनीति' है। नेतन्याहू ने ट्रंप की बात दोहराते हुए कहा कि अगर हमास सात अक्टूबर 2023 को किये हमले में अपहृत दर्जनों बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो 'नरक के द्वार खुल जाएंगे'। इजराइल के प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी युद्धविराम के पहले चरण के समाप्त होने से ठीक दो सप्ताह पहले आई है। दूसरे चरण पर हालांकि अब तक बातचीत नहीं हुई है, जिसमें हमास को अधिक फलस्तीनी कैदियों के बदले में दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करना है। रुबियो ने कहा कि हमास 'सैन्य या सरकारी बल के रूप में

मौजूद नहीं रह सकता'। रुबियो ने कहा, ''जब तक यह (हमास) शासन–प्रशासन के रूप में एक ताकत बनकर खड़ा है तब तक शांति असंभव है। इसे मिटा दिया जाना चाहिए।'' इस तरह की हमास के साथ बातचीत जारी रखने के प्रयासों को जटिल बना सकती है, जो युद्ध में भारी नुकसान उठाने के बावजूद कायम है और गाजा पर इसका नियंत्रण बरकरार है। इस बीच इजराइली सेना ने बताया कि उसने रविवार तड़के दक्षिणी गाजा में उसकी सेना के पास आने वाले लोगों पर हवाई हमला किया। हमास द्वारा संचालित आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि हमला उस समय हुआ जब पुलिसकर्मी मिस्र की सीमा पर राफा के पास सहायता ट्रकों के प्रवेश को सुरक्षित कर रहे थे। मंत्रालय के मुताबिक, हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी।

ट्रंप के विदेशी सहायता रोके जाने से मर सकते हैं एड्स के लाखों मरीज, यूएन की चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही जो शुरुआती फैसले लिए, उनमें अमेरिका द्वारा दुनिया भर में दी जाने वाली विदेशी सहायता पर रोक का फैसला प्रमुख था। अब इस फैसले का असर दिखना शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एड्स प्रोग्राम की निदेशक विनी ब्यानिमा ने चेतावनी दी है कि अमेरिका द्वारा विदेशी सहायता रोके जाने से दुनिया भर में एड्स के लाखों मरीज मर सकते हैं।

अमेरिका, दुनिया में विदेशी सहायता का सबसे बड़ा प्रदाता

अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र के लिए विदेशी सहायता का दुनिया में सबसे बड़ा प्रदाता है। यह मदद अमेरिका अपने एजेंसी संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (न्ै।प्क्) के द्वारा करता रहा है। जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ट्रंप ने यूएसएआईडी के तहत दी जाने वाली विदेशी सहायता तीन महीने के लिए रोक दी है। इससे मानवीय मदद के कामों पर बड़ा असर पड़ा है। न्छ।प्क्ै की कार्यकारी निदेशक विनी ब्यानिमा ने बताया कि अगर विदेशी सहायता के तहत मिलने वाली निधि अगर खत्म हो जाती है, तो लोग मर जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि एड्स से मृत्यु दर दस गुना तक बढ़ सकती है।

अफ्रीका में बिगड़ सकते हैं हालात

फाउंडेशन फॉर एड्स रिसर्च (उ।तिं) के विश्लेषण के अनुसार, अमेरिकी मदद से दो करोड़ से अधिक एचआईवी रोगियों और 270,000 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद होती है। अगर अधिक मदद रुकती है तो इससे पांच वर्षों में एड्स से दस गुना अधिक करीब 63 लाख लोगों की मौत हो सकती है। हालांकि अमेरिका ने जीवन रक्षक उपचार की दवाओं में रोक से छूट दी है, लेकिन अफ्रीका में ये सुविधाएं भी बंद हो चुकी हैं। इथियोपियाई राजधानी अदीस अबाबा में अफ्रीकी शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्यानिमा ने ये बात कही। साल 1961 में अमेरिका ने यूएसएआईडी की शुरुआत की थी। इसका वार्षिक बजट 40 अरब डॉलर से ज्यादा है। फिलहाल ट्रंप ने इस पर तीन महीने की रोक लगा दी है। समीक्षा के बाद इसके तहत होने वाली कुछ फंडिंग को फिर से शुरू किया जा सकता है।

रूस को घेरने की तैयारीः 'ब्रिटेन–यूरोप की सुरक्षा के लिए यूक्रेन भेजे जाएंगे सैनिक', पीएम कीर स्टार्मर का बयान

लंदन। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के बीच रविवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बड़ा एलान किया है। रविवार को उन्होंने कहा कि अगर ब्रिटेन और यूरोप की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ज़रूरत पड़ी, तो वह यूक्रेन में सेना भेजने के लिए तैयार हैं। उन्होंने डेली टेलीग्राफ़ में लिखा कि ब्रिटेन रूस के ख़िलाफ़ युद्ध में यूक्रेन का समर्थन कर रहा है, और अगर ज़रूरत पड़ी तो यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने के लिए अपने सैनिकों को जमीन पर उतारना जरूरी हो सकता है।

यूक्रेन की सुरक्षा से यूरोप सुरक्षित

स्टार्मर ने कहा कि अगर ब्रिटेन को यूक्रेन में सेना भेजने का निर्णय लेना पड़ा, तो वह इसे हल्के में नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि ब्रिटिश सैनिकों को यूक्रेन भेजने का मतलब उन्हें खतरे में डालना हो सकता है, और इसे लेकर उन्हें गहरी जिम्मेदारी का अहसास है। लेकिन, इसके बावजूद उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ब्रिटेन की भूमिका निभाई जाती है, तो यह सिर्फ यूक्रेन के लिए नहीं, बल्कि पूरे यूरोप और ब्रिटेन की सुरक्षा को भी मजबूत करेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।